NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 292 लखनऊ, शुक्रवार 07 जून 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

एक दिन आगे बढ़ी पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख, अब 9 जून लेंगे शपथ!

एजेंसी।

नईदिल्ली,। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने के बाद से ही हर कोई इस बात का इंतजार कर रहा है कि आखिर नई सरकार कब बनेगी. किसी दिन नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे. दरअसल ऐसा लगातार तीसरी बार होगा जब नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे. लोकसभा चुनाव के परिणाम तो 4 जून को घोषित हो गए लेकिन अब तक शपथ ग्रहण समारोह की तारीख को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं मिल रही है. इस बीच खबर आई है कि नरेंद्र मोदी की 8 जून को शपथ टल गई है. जी हां अब

मोदी 8 जून को शपथ नहीं लेंगे.एनडीए की तीसरी सरकार का गठन और शपथ ग्रहण समारोह अब एक दिन आगे बढ़ गया है. सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी के मुताबिक नरेंद्र मोदी 9 जून रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे. उनके साथ कुछ केंद्रीय मंत्री भी शपथ ले सकते हैं. इनमें अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी से लेकर टीडीपी और जेडीयू के कुछ सांसद भी शामिल होंगे. बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल तय करने को लेकर लगातार मंथनऔर बैठकों का दौर चल रही है. इसी कड़ी में गुरुवार को बीजेपी नेता जेपी नड्डा के निवास पर सुबह से ही मीटिंग हो रही है. इस दौरान किस दल को क्या मंत्रालय दिया जाए इसको लेकर भी विचार हो रहा है. एनडीए के कुछ सांसद शुक्रवार को भी बैठक करेंगे. इस दौरान औपचारिक रूप से नरेंद्र मोदी को अपना नेता भी चुना जाएगा.नरेंद्र मोदी भले ही तीसरी बार पीएम पद की शपथ ले रहे हैं. लेकिन इस बार समीकरण अलग हैं. पहले दो टर्म में बीजेपी अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी थी, लेकिन इस बार बीजेपी

मोदी सरकार में पांच कैबिनेट पद चाहती है टीडीपी अपनी सहयोगी जन सेना के लिए भी की मांगे

टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी आंध्र प्रदेश के लिए विशेष दर्जे की भी मांग करेगी क्योंकि 2014 में राज्य के विभाजन के कारण उसने अपना सबसे बड़ा राजस्व स्रोत – हैदराबाद – खो दिया है।

गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) संसदीय दल की बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पार्टी नेताओं को पांच और केंद्र में उसकी सहयोगी जन सेना को दो कैबिनेट सीटें आवंटित करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। पार्टी नेताओं ने गुरुवार को यह बात कही। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी ने

25 लोकसभा सीटों में से 16, जन सेना ने दो और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के हिस्से के रूप में भाजपा ने तीन सीटें जीतीं। टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी आंध्र प्रदेश के लिए विशेष दर्जे की भी मांग करेगी क्योंकि 2014 में राज्य के विभाजन के कारण उसने अपना सबसे बड़ा राजस्व स्रोत – हैदराबाद – खो दिया है। पार्टी के एक सांसद ने कहा कि मंत्री पद के लिए हमारा अनुरोध उस विशेष पैकेज पर आधारित है जिसका वादा पुनर्गठन के समय आंध्र प्रदेश को किया गया था। विशेष दर्जे की आवश्यकता मूल रूप से राज्य में प्रमुख विकास परियोजनाओं के लिए केंद्रीय अनुदान है। विजयवाड़ा के बाहरी इलाके उंदावल्ली में नायडू के आवास पर हुई बैठक में, पार्टी ने पूरे कार्यकाल के दौरान एनडीए का समर्थन करने का वादा किया, भले ही भाजपा अपने विधायक दल के नेता के रूप में किसे चुने। प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर आंध्र प्रदेश के पिछड़े सात जिलों के लिए अनुदान है – तीन उत्तर आंध्र से और चार रायलसीमा क्षेत्र से। टीडीपी नेताओं में से एक, कलामा श्रीनिवासुलु ने कहा विशेष विकास परियोजना (एसडीपी) फंड के हिस्से के रूप में, हमने विजयवाड़ा के लिए मेट्रो परियोजना में 50–50 हिस्सेदारी, सागरमाला परियोजना को

लोकसभा चुनाव में 74 महिला उम्मीदवारों ने दर्ज की जीत

एजेंसी।

नईदिल्ली,। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को आ गए. इस बार 17वीं लोकसभा के मुकाबले महिला प्रतिनिधियों की संख्या में गिरावट हुई है. बीजेपी उम्मीदवार मेनका गांधी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी इस बार लोकसभा चुनाव हार गईं. जबकि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष इस बार लोकसभा चुनाव न लड़कर राजस्थान से राज्यसभा पहुंच गईं. 2019 के लोकसभा में 17वीं लोकसभा के कुल 78 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंचीं थी लेकिन 18वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्य कम हो गई है. दरअसल, इस बार कुल 74 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. संख्या के लिहाज से इस बार लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 13.62 प्रतिशत होगी.इस बार सबसे ज्यादा बंगाल में महिलाओं ने लोकसभा चुनाव जीता है. पश्चिम बंगाल से कुल 11 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. इस बार लोकसभा चुनाव में कुल 797 महिला उम्मीदवरा चुनावी मैदान में थीं. इनमें सबसे ज्यादा बीजेपी ने 69 महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारा था. इसके बाद कांग्रेस ने 41 महिलाओं को अपना प्रत्याशी बनाया था. बता दें कि लोकसभा एवं विधान सभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला विधेयक संसद से पारित होने के बाद यह पहला लोकसभा चुनाव था, हालांकि ये कानून अभी तक लागू नहीं हुआ है.जानकारी के मुताबिक, इस बार चुनी गई कुल 74 महिला सांसदों में से 16 प्रतिशत की उम्र 40 वर्ष से कम है, जबकि 41 प्रतिशत ऐसी महिला सांसद बनी हैं जो पहले भी लोकसभा की सदस्य रह चुकी हैं. जबकि एक महिला सांसद राज्य सभा में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं.चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, इस बार बीजेपी की 30, कांग्रेस की 14, तृणमूल कांग्रेस की 11, समाजवादी पार्टी की चार, द्रमुक की तीन, जदयू एवं लोजपा (रामविलास) की दो–दो महिला प्रत्याशी चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. विश्लेषण के मुताबिक, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में भारत अभी भी कई देशों से पीछे हैं. जो एक चिंता का विषय है. उदाहरण के तौर पर दक्षिण अफ्रीका में 46 प्रतिशत महिलाएं संसद में प्रतिनिधित्व करती हैं. जबकि ब्रिटेन में ये संख्या 35 प्रतिशत हबै. वहीं अमेरिका में 29 प्रतिशत महिलाएं सांसद हैं. वहीं 18वीं लोकसभा में इस बार चुनाव जीतकर कुल 280 नए चेहरे संसद पहुंचे हैं. इनमें पूर्व मुख्यमंत्री, फिल्मी सितारे, राजनीतिक कार्यकर्ता और हाईकोर्ट के पूर्व जज का नाम भी शामिल है. इन प्रमुख चेहरों में किशोरी लाल शर्मा, चंद्रशेखर आजाद, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मांडविया, परषोत्तम रूपाला जैसे नाम शामिल हैं. नए चेहरों में उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक अधिक 45 और महाराष्ट्र से 33 उम्मीदवार पहली बार चुनाव जीतकर संसद के सदस्य बने हैं.

लोकसभा चुनाव इंदिरा गांधी के हत्यारे के बेटे समेत 7 निर्दलीय उम्मीदवार बने सांसद

नईदिल्ली,06 जून (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 292 सीटें मिली हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के हिस्से 234 सीटें आई हैं। अन्य के खाते में 17 सीटें गई हैं।इन 17 में से 7 उम्मीदवार ऐसे है, जिन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इनमें से 3 उम्मीदवारों ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया है।आइए निर्दलीय चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों के बारे में जानते हैं।जम्मू–कश्मीर की बारामूला सीट पर बड़ा उलटफेर हुआ है। यहां से निर्दलीय उम्मीदवार शेख अब्दुल रशीद ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को 2 लाख से ज्यादा वोटों से हरा दिया है।खास बात है कि शेख ने जेल में रहते हुए उमर को पटखनी दी है। शेख फिलहाल आतंकी फंडिंग के मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें 2019 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गिरफ्तार किया था।खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने पंजाब की खडूर साहिब सीट से जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को 1.97 लाख वोटों से हराया है।अमृतपाल ने भी ये चुनाव जेल में रहते लड़ा था। वे फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। पिछले साल लंबी भागदौड़ के बाद पुलिस ने अमृतपाल को गिरफ्तार किया था।पंजाब की फरीदकोट सीट से निर्दलीय उम्मीदवार सरबजीत सिंह खालसा ने करमजीत सिंह अनमोल को 70,000 से अधिक वोटों से हराकर जीत दर्ज की है। सरबजीत इंदिरा गांधी की हत्या के आरोपी बेअंत सिंह के बेटे हैं।इससे पहले वे 2004 में बठिंडा से भी चुनाव लड़े थे, लेकिन हार गए थे। 2007 के पंजाब विधानसभा चुनावों में भी सरबजीत को हार मिली थी। 2014 और 2019 लोकसभा चुनावों में भी वे हार गए थे।

अब इंडिया गठबंधन कर रहा है विपक्ष की बात, टीडीपी मजबूती से एनडीए के साथ

एजेंसी।

नई दिल्ली। इंडिया गठबधन के बड़े नेता अब सरकार बनाने की कवायद की बजाय मजबूत विपक्ष की बात करने लगे हैं। इसी क्रम में इंडिया गठबंधन के दूसरे सबसे बड़े घटक दल समाजवादी पार्टी ने भी संसद में मजबूत विपक्ष की बात की है।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मजबूत विपक्ष की बात कही है। इससे पहले इंडिया गठबंधन ने अपनी संख्या बल बढ़ाने की पूरी कोशिश की। इसके लिए अन्य दलों को आमंत्रित भी किया गया था। हालांकि, अब अखिलेश यादव ने विपक्ष को मजबूत करने की बात कही है। उन्होंने सेना में अग्निवीर की भर्ती का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान अग्निवीर योजना का विरोध किया था। दोनों ही पार्टियों का कहना था कि सत्ता में आने पर अग्निवीर

योजना को बंद करेंगे। विपक्ष में बैठने का स्पष्ट संकेत देते हुए अखिलेश यादव का कहना है कि इस बार विपक्ष मजबूत होगा।

दिल्ली में उन्होंने कहा कि इस बार विपक्ष मजबूत होगा और विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी। समाजवादी पार्टी कभी भी अग्निवीर व्यवस्था को स्वीकार नहीं कर सकती है।

दूसरी तरफ एनडीए के घटक दलों ने इंडिया गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम कुमार जैन ने स्पष्ट तौर पर कहा कि उनकी पार्टी ने एनडीए को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन कुछ भी कहता रहे, लेकिन, वे एनडीए के साथ हैं। इसके साथ ही नायडू की पार्टी का कहना है कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं।

दरअसल, आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी ने बहुमत हासिल किया है। भारतीय जनता पार्टी और तेलुगु देशम पार्टी ने संयुक्त रूप से विधानसभा चुनाव लड़ा था और यहां एनडीए ने बंपर जीत हासिल की है। केंद्र में सरकार का गठन होने के बाद चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आमंत्रित होंगे। वहीं, केंद्र सरकार के गठन की रूपरेखा और तैयारियों पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व पार्टी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं। यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर हो रही है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े एवं तरुण चुग और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया सहित कई अन्य नेता मौजूद हैं।

नीतीश कुमार ही हैं बिहार एनडीए के लीडर –सम्राट चौधरी

ऐजेंसी

बिहार पटना हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जद (यू) ने 16 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 पर विजयी हुई। यह राज्य में भाजपा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) के साथ गठबंधन में है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि एनडीए अगला बिहार चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। चिराग पासवान ने भी नीतीश कुमार के नेतृत्व की भी तारीफ की है। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जद (यू) ने 16 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 पर विजयी हुई। यह राज्य में भाजपा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) के साथ गठबंधन में है। केंद्र में एनडीए सरकार के गठन के लिए कुमार का समर्थन महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि भाजपा अपने दम पर लोकसभा में बहुमत हासिल करने में विफल रही है। देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति की पृष्ठभूमि में, सम्राट चौधरी का यह बयान महत्व रखता है कि एनडीए राज्य में 2025 का विधानसभा चुनाव कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार में बीजेपी–जेडीयू–चिराग महागठबंधन अजेय है। अगर वे साथ मिलकर लड़ेंगे तो बहुमत का आंकड़ा पार कर जायेंगे। बिहार में जीत के लिए नीतीश कुमार जरूरी हैं। देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति की पृष्ठभूमि में, सम्राट चौधरी का यह बयान महत्व रखता है कि एनडीए राज्य में 2025 का विधानसभा चुनाव कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ष्एनडीए बिहार में अगला विधानसभा चुनाव सीएम के नेतृत्व में लड़ेगा...हमने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।ष कुमार ने पहली बार 2000 में बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हालांकि, उनकी सरकार एक सप्ताह के भीतर ही गिर गई। 2014 की एक संक्षिप्त अवधि को छोड़कर, वह 2005 से राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं।

CHANDRA POST GRADUATE DENTAL COLLEGE & HOSPITAL
In between Hind Medical College & Mayo Medical College, Ayodhya Highway, Barabanki border, Lucknow.

Admission is open for BDS & MDS

CLINICALLY BEST DENTAL COLLEGE
* 200 bedded hospital with trauma Center.
* Ultra Modern, Advance Dental Hospital for all departments separately.
* CAD CAM Zirconia designing and Milling Machine
* Well Equipped Mobile Dental Van for Public Health.
* Record Highest number of Patients inflow amongst all colleges.
* Outstanding facilities of hostel & mess.

Cont: 8447686954 / 6306659654

बरसात के दृष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए, ताकि सिल्ट जमा न होने पाए तथा बारिश में जलभराव न हो – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जारी जनहित की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में जारी जनहित की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सम्बन्धित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं की प्रगति और भावी कार्ययोजनाओं से मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव गण अपने विभाग के शीर्ष अधिकारी हैं। विभाग से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था, परियोजना तथा प्रकरण के लिए इनकी जवाबदेही है। अतः कार्यों में समयबद्धता तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है। अधिकारीगण परफॉर्मिंग मंत्रिगण के साथ बेहतर संवाद व समन्वय बनाये रखें तथा जनहित के प्रकरणों को अनावश्यक लंबित न रखें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में रिक्तियां हैं और नियुक्तियां की जानी हैं, वहां से तत्काल अधियाचन चयन आयोगों को भेजा जाए। नियुक्ति प्रक्रिया में सरलता के लिए ई–अधियाचन की व्यवस्था लागू की गई है, उसका उपयोग किया जाए। नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजने से पूर्व नियमावली का सूक्ष्मता से परीक्षण कर लिया जाए। चयन आयोगों से संपर्क बनाएं, सही अधियाचन भेजें तथा चयन प्रक्रिया की समय–सीमा तय करें। वित्तीय वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही समाप्त होने वाली है। सभी विभागों द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का यथोचित खर्च किया जाना सुनिश्चित किया जाए। समय से आवंटन और समय से खर्च होना चाहिए। वित्त विभाग द्वारा इसकी विभागवार समीक्षा की जाए। बजट आवंटन और खर्च के नियमों का सरलीकरण भी अपेक्षित है, इस पर यथोचित कार्यवाही की जाए। जीएसटी0 संग्रह के प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है। फील्ड में तैनात अधिकारियों को टारगेट दें। इनके परफॉर्मेंस को ही इनकी पदोन्नति, पदस्थापना का आधार बनाया जाना चाहिए। तकनीक का प्रयोग बढ़ाएं। कर चोरी किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तेज गर्मीष्ठ का मौसम चल रहा है। ऐसे में पूरे प्रदेश में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। बिजली तभी कटे, जब बहुत जरूरी हो। ट्रांसफार्मर जलने/तार गिरने, ट्रिपिंग जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी फोन अटेंड करें, कहीं भी विवाद की स्थिति न बनने पाए, यदि ऐसा हो तो वरिष्ठ अधिकारी तत्काल स्वयं मौके पर पहुंचें। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करें। सेफ सिटी परियोजना से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कराएं। नगरों में कहीं भी पेयजल का संकट न होने पाए। स्ट्रीट डॉग की समस्या का स्थायी समाधान तलाशें। बरसात के दृष्टिगत नालों की सफाई करा ली जाए, ताकि सिल्ट जमा न होने पाए तथा बारिश में जलभराव न हो। मलिन बस्तियों में साफ–सफाई की अत्यधिक आवश्यकता है। यहां नियमित फॉगिंग भी कराई जाए। सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के लिए ठोस प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खनन कार्य में संलग्न वाहनों में किसी भी दशा में ओवरलोडिंग नहीं होनी चाहिए। यह नियम विरुद्ध भी है तथा दुर्घटनाओं का कारक भी बनता है। इस दिशा में सख्ती की जानी चाहिए। बालू, मोरंग, गिट्टी जैसे उपखनिजों का आम आदमी से सीधा जुड़ाव है। बरसात के मौसम में खनन कार्य स्थगित रहेगा, ऐसे में यह सुनिश्चित कराएं कि इनकी कीमतों में अनावश्यक बढ़ोत्तरी न हो। इससे विभिन्न विकास परियोजनाएं भी प्रभावित होती हैं। उपखनिजों का कृत्रिम अभाव पैदा करने वाले कालाबाजारियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए।

एक जनपद एक मेडिकल कॉलेज अभियान के तहत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता और परियोजना की समयबद्धता सुनिश्चित की जाए तथा इसकी साप्ताहिक समीक्षा करें। प्राचार्यों व अन्य फैकल्टी स्टाफ के चयन में केवल योग्यता को ही मानक बनाएं। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि गन्ना पेराई का नया सत्र प्रारंभ होने से पूर्व पिछले सत्र का सारा बकाया भुगतान हो जाए। गन्ना, उन्हीं मिलों को उपलब्ध कराया जाए, जिनका भुगतान रिकॉर्ड अच्छा हो।जहरीली अथवा अवैध शराब बनाने, बेचने और खरीदने के प्रयासों पर लगातार हुई कार्रवाइयों का ही असर है कि इसका पूरा सिंडिकेट समाप्त हो गया है। कार्रवाइयों का क्रम लगातार जारी रखें। यह सुखद है कि लोकसभा चुनाव में कहीं भी जहरीली अथवा अवैध शराब से जुड़ी अप्रिय घटनाओं की सूचना नहीं प्राप्त हुई। प्रयास हो कि ऐसी स्थिति आगे भी बनी रहे। कमिश्नरी स्तर पर महिला संरक्षण गृह क्रियाशील कराए जाएं। चरणबद्ध रूप से इसे सभी 75 जनपदों में विस्तार दिया जाए। संरक्षण गृहों के लिए एन0जी0ओ0 का चयन अत्यंत सावधानी के साथ किया जाए। यहां वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की जाए। पहले बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में शुद्ध पेयजल एक सपना था। आज यह सपना साकार हो रहा है। यह दोनों ही क्षेत्र शीर्ष प्राथमिकता में हैं। अतिशीघ्र विंध्य–बुंदेलखंड क्षेत्र के हर घर में नल से जल की सुविधा होगी। झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन, बांदा, चित्रकूट, मीरजापुर, सोनभद्र सहित पूरे विंध्य–बुंदेलखंड क्षेत्र में जल जीवन मिशन का कार्य आखिरी चरण में प्रवेश कर गया है। अवशेष कार्यों को तेजी के साथ पूरा कराया जाए। हर गांव में प्रशिक्षित प्लम्बर की तैनाती की जाए। गर्मी के मौसम में बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति लगातार बनाये रखें। एक भी दिन किसी भी परिवार को पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। पशुओं के लिए हरा चारा और पेयजल के भी प्रबंध किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के मौसम में संचारी रोगों के प्रसार की सर्वाधिक आंशका होती है। इसके दृष्टिगत समय से पूरी तैयारी कर लें। चिकित्सकों के साथ–साथ आशा, ए0एन0एम0, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को भी पूरा सहयोग लिया जाए। जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए इनकी आवश्यक ट्रेनिंग कराएं, लोगों में जागरूकता का प्रसार किया जाए।

सहारनपुर और फतेहपुर में निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉलेज में आगामी सत्र से प्रवेश होना है। इसके दृष्टिगत निर्माण की कार्यवाही समय से पूर्ण करा ली जाए। मेरठ में निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय के कार्यों में तेजी अपेक्षित है। गढ़मुक्तेश्वर आस्था का बड़ा केंद्र है। यहां के ब्रजघाट एवं आसपास के क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाट पर बहुत बड़ा ऐतिहासिक मेला लगता है। प्रदेश सरकार ने वार्षिक मेले का प्रांतीयकरण भी किया है। ब्रज घाट की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए इसके सुंदरीकरण के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें।

युवती के साथ छेड़खानी करने के आरोपी की गोली मारकर हत्या

प्रतापगढ़। अंतू कोतवाली के बुद्धवार की शाम बिहारगंज बाजार से घर जाते समय लोहंगपुर की एक खास धर्म की युवती से विकास गौतम नामक युवक पर छेड़खानी का आरोप लगा था। युवक ने बताया गया युवक ने युवती पर धारदार हथियार से हमला भी किया था। युवती को जिला अस्पताल में पुलिस ने भर्ती कराया था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। गुरुवार को आरोपी युवक विकास का रक्त रंजिश शव घर के निकट पाया गया। गॉव वालों की बातों पर यकीन करें तो युवक को लडकी के परिजनों ने बुद्धवार की रात में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

वट सावित्री पूजा में उमड़ी महिलाएं, धागा बांधकर पति के लंबी उम्र की कामना

प्रतापगढ़। शहर के सई नदी तट स्थित बेल्हादेवी मंदिर पर गुरुवार को बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री पूजा पर पति की लंबी उम्र के लिए कामना की। मन्दिर परिसर स्थित वट वृक्ष में फेरे लेकर सूत लपेटा पति की लंबी उम्र के साथ परिवार के कल्याण के लिए वरदान मांगा। कथाओं में बताया गया है कि सती सवित्री की शादी सत्वान से तय थी। पं0 ननकू मिश्र के अनुसार परम ज्ञानी नारद ने विचार कर बताया कि सत्यावान की उम्र महज एक साल बची है। उसके बाद भी सवित्री की शादी सत्यवान से हो गई। एक वर्ष बीतने के बाद यमराज स्वयं सत्यवान को लेने देवलोक से आए। उस समय सावित्री वट वृक्ष के नीचे पति के उम्र की तपस्या कर रही थीं। सत्यवान को ले जाते समय सती सावित्री भी उनके पीछे–पीछे चलने लगी। यह देख यमराज ने पूंछा कि इनका जीवन समाप्त हो चुका है। धरती पर इन्हें अब रहने का हक नहीं है। फिर भी सावित्री पीछे–पीछे चलती रही। यमराज ने कहा कि वर मांगों। तब सावित्री ने यमराज से सत्यवान के जरिए सौ पुत्रों की माँ बनने का वर मांगा। यमराज ने तथास्तु कहकर सत्यवान को लेकर चलने लगे। उसके बाद भी सावित्री पीछे–पीछे चल रही थी। यमराज ने पूंछा आपको वर दे दिया तो क्यों आ रही हो देवी। सती सावित्री ने कहा कि आप इन्हें ले जा रहे हैं तो सौ पुत्रों का जन्म कैसे होगा। सावित्री के प्रण को देखकर यमराज ने सत्यवान के प्राण लौटा दिए। तब से लेकर सुहागिन महिलाएं वट वृक्ष के नीचे पूजन अर्चन करते सूत बांधकर पति के लंबी उम्र व परिवार के कल्याण की कामना करती हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है- अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है और उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनादेश आया है। प्रदेश मंत्रिमण्डल के 16 मंत्री लोकसभा चुनाव में अपनी विधानसभा हार गए हैं। केन्द्र में जो भाजपा 400 पार का नारा दे रही थी वह पूर्ण बहुमत में पाने से ही वंचित रह गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में जनता ने भाजपा की आशाओं पर पानी फेर दिया। वहां की जनता दुःखदर्द से कराहती रही। भाजपा सरकार ने गरीबों को उजाड़ दिया। उजड़े किसानों को पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया गया। अपनी जमीन से उजड़े लोगों के पुनर्वास पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजें में जनता ने सबक सिखा दिया।

कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर लगाम नहीं लग रही है। किसान, नौजवान, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता सहित समाज का हर वर्ग परेशान है। नौजवानों की एक तिहाई जिंदगी बेकार हो गई है। उनका भविष्य अंधेरे में है। अग्निवीर योजना तुरन्त खत्म होनी चाहिए। जो जवान फौज में जाना चाहते हैं और उनकी उम्र समाप्त हो गई उन्हें फिर मौका मिलना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन का जहां तक सवाल है वह अब जनआकांक्षाओं का प्रतीक बन चुकी है। जनसेवा के अपने संकल्प पर दृढ़ रहेगा और संविधान बचाने तथा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के कष्ट और संकट से जनता को मुक्त कराने के अपने प्रयासों को निरन्तर जारी रखेगा।कहा कि इंडिया गठबंधन पीडीए का राष्ट्रव्यापी विस्तार करने और पीडीए के लिए लगातार संघर्ष करते रहने के लिए चचनबद्ध है। इंडिया गठबंधन किसान, मजदूर, युवा महिला व्यापारी, कारोबारी, नौकरीपेशा और सरकारी कर्मचारियों के मुद्दों को आधार बनाकर उनकी आवाज बनने का काम करता रहेगा। राजनीति में संभावनाएं कभी खत्म नहीं होती है।

जीवन समय से ज्यादा मूल्यवान है, रूकें, समपार को पार करने में सावधानी बरतें

लखनऊ(आरएनएस) । पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी डा0 शिल्पी कन्नौजिया के नेतृत्व में आज 'अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस' के अवसर पर रेलवे समपारों पर होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति जन–सामान्य को जागरूक करने के लिये मण्डल के विभिन्न स्टेशनों गोरखपुर, सीतापुर, गोण्डा एवं लखनऊ तथा मण्डल के रेल प्रखण्डों पर पड़ने वाले समपार फाटकों एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में संरक्षा जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी डा0 शिल्पी कन्नौजिया की उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम लखनऊ जं0 रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया। जिसमें भारत स्काउट एवं गाइड्स के सदस्यों द्वारा समपारों पर अपनाई जाने वाली सावधानियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक "सावधानी हटी–दुर्घटना घटी" का मंचन किया गया। इसके अतिरिक्त लखनऊ परिक्षेत्र के समपार संख्या 03एमएल (बादशाहनगर–मल्हौर) एवं समपार संख्या 06एमएल (डालीगंज–बादशाहनगर) के मध्य जन जागरूकता हेतु संरक्षा संबंधी नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति प्रदान की गयी। इसी क्रम में समपार सं0 257स्पेशल (गोण्डा–बहराइच), 160ए स्पेशल(गोण्डा–सुभागपुर), समपार सं0 157एव्स्पेशल(गोरखपुर कैंट–कुसम्ही) एवं 01स्पेशल (गोरखपुर कैंट–कुसम्ही) एवं 51 स्पेशल(सिधौली यार्ड) तथा 72 स्पेशल (सीतापुर–खैराबाद) के मध्य प्रखण्डों पर भारत स्काउट एवं गाइड्स के सदस्यों द्वारा समपारों पर अपनाई जाने वाली सावधानियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक "सावधानी हटी–दुर्घटना घटी" का मंचन किया गया। रेल प्रशासन द्वारा आम जन मानस से अपील की जाती है कि "जीवन आपके समय से ज्यादा मूल्यवान है, समपारों को पार करने में सावधानी बरतें", "समपारों के बन्द होने की स्थिति में उसके नीचे से न जाएँ", "समपार खोलने के लिये गेटमैन पर अनुचित दबाव न बनायें", "बंद हो रेलवे फाटक, "तो पार करना है घातक", "जब फाटक बंद हो रहा हो तब","बूम बैरियर"से उचित दूरी बनाएँ रखें" । आइये 'हम सब संकल्प लें कि हम अपने एवं अपने परिवारजनों की सुरक्षा के लिए रेलवे फाटक पार करते समय पूर्ण सावधानी बरतेंगे तथा' ईयर फोन लगाकर समपार पार करने में जान जोखिम में न डालें। लखनऊ मण्डल में सभी स्टेशनों पर यात्री जनों एवं आम जनमानस तक उद्घोषण प्रणाली के माध्यम से संरक्षा जागरूकता संदेश का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जा रहा है तथा स्टेशन परिसरों में पोस्टर व स्टिकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से संरक्षा जागरूकता संदेश फैलाया जा रहा है। इन संदेशों को मोबाइल उपभोक्ताओं को एस.एम.एस. के माध्यम से भेजकर भी जागरूक किया जा रहा है।संरक्षा पर्यवेक्षकों द्वारा मंडल के समपार फाटकों पर सड़क उपभोगकर्ताओं को रेलवे अधिनियम की धारा 146 एवं रेलवे एक्ट की धारा 160 की जानकारी दी गई तथा रेलवे समपारों पर सतर्कता अपनाने से संबंधित नियमों तथा विशेष रूप से ईयर फोन लगाकर समपार पार करने के खतरों के बारे में जागरूक भी किया गया। इस दौरान लोगों को संरक्षा से संबंधित पम्पलेटों का वितरण भी किया जा रहा है।

जिला जज की अदालत ने हत्यारापी को उम्रकैद व तीस हजार के दण्ड की सुनाई सजा

प्रतापगढ़। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल राशिद की कोर्ट ने गुरूवार को हत्यारोपी को उम्र कैद व तीस हजार रू0 अर्थदण्ड से दंडित किया है। हत्यारोपी प्रहलादी पुत्र सर्यमणि उपाध्याय निवासी घोटाका मुफरीद थाना कंधई हत्या के मामले में आरोपी था। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्यारोपी को दोष सिद्ध पाया। जिससे आरोपी को उम्रकैद व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मामले की पैरवी एडीजीसी राकेश सिंह, मुकदमे की विवेचना राम नरेश यादव व पैरोकारी रवि शंकर सिंह ने किया।

बैंड बाजे के साथ पौधों की बारात निकालकर किया जागरूक

प्रतापगढ़। गाजे बाजे के साथ सेहरा बांधकर दूल्हे संग नाचते गाते पौधों की बारात निकली। इस अनोखी बारात को देखने के लिए ग्रामीण घरों से निकल पड़े थे। पंचायत भवन से उठी बारात का स्वागत ग्राम प्रधान ने पुष्प वर्षा के साथ किया। गले मिलकर वर और कन्या पक्ष का परिचय हुआ। शादी में सभी बारातियों को विदाई में रोपने के लिए पौधे दिए गए।

पर्यावरण दिवस पर बुधवार को बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक पेड़ लगाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक पौधों की एक अनोखी बारात निकाली। जो किसी ने न देखी, सुनी होगी।बारात ग्राम सभा भंगवा के पंचायत भवन से उठी और बीबीएफजी के फ्री स्टडी पर पहुंची। यहां पर ग्राम प्रधान रोहित ने बारातियों का स्वागत किया। वर, कन्या पक्ष का मिलना कराया। जलपान के बाद बारातियों ने जमकर डांस किया।

एलडीए ने हजरतगंज में मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, पारा में शश्वपिंग कश्वम्पलेक्स व अवैध रो–हाउस भवन सील किये

लखनऊ(आरएनएस)। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर प्रवर्तन जोन–3 व प्रवर्तन जोन–6 की टीम ने अवैध निर्माणों पर की कार्यवाही लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को प्रवर्तन दस्ते ने हजरतगंज व पारा थानाक्षेत्र में कार्यवाही की। इस दौरान स्वीकृत शमन मानचित्र के विपरीत निर्मित की जा रही 01 व्यावसायिक बिल्डिंग, 02 शॉपिंग कॉम्पलेक्स व 07 रो–हाउस भवनों को सील किया गया।

प्रवर्तन जोन–3 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि कमलेश वर्मा व अन्य द्वारा पारा की अवन्ती विहार कालोनी में लगभग 1600 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर दुकानों व कमरों का निर्माण करवाया जा रहा था। इसके अलावा शेखर शुक्ला व अन्य द्वारा पारा की पिंक सिटी में लगभग 5000 वर्गफिट क्षेत्रफल में 07 रो–हाउस भवनों का निर्माण करवाया जा रहा था। वहीं, राजू बिल्डर व अन्य द्वारा पिंक सिटी में लगभग 2000 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर दुकानों व कमरों का निर्माण करवाया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे इन निर्माण कार्यों के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में सहायक अभियंता शिवा सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता शशिभूषण मिश्रा, रवि शंकर राय व अम्बरीश कुमार द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त अवैध निर्माणों को सील कर दिया गया।

प्रवर्तन जोन–6 के जोनल अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि अजय कालरा व अन्य द्वारा हजरतगंज में प्राग नारायण रोड पर भूखण्ड संख्या–54ध्ए 155 पर लगभग 300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में स्वीकृत शमन मानचित्र के विपरीत पांच मंजिला व्यावसायिक बिल्डिंग का निर्माण करवाया जा रहा था। जिसके विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। इसके अनुपालन में अवर अभियंता संजय शुक्ला व राकेश कुमार द्वारा गुरुवार को प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से उक्त बिल्डिंग को सील कर दिया गया।

सामाजिक रिश्तों और प्यार का मीठा सा एहसास कराती है मनिहार

भागदौड़ भरी जिंदगी में मनोरंजन का उपयुक्त साधन होगी हिन्दी फिल्म मनिहार

लखनऊ(आरएनएस)रू फिल्म शूटिंग और कलाकारों के लिए लखनऊ अब बॉलीवुड के पसंदीदा शहरों में से एक बन गया है, वर्तमान दिनों में कोई न कोई सितारा अपनी फिल्म की शूटिंग, प्रमोशन के लिए लखनऊ की तरफ अपना रुख कर रहा है, इसी क्रम में अगला नाम है फिल्म मनिहार का। जय श्री मूवी प्रोडक्शन और एमएस स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है।बॉलीवुड में अपनी अदाकारी का लोहा मनवा चुके पंकज बैरी जैसे संजीदा कलाकारों से सजी इस फिल्म में मुख्य किरदार अदा करेंगे बदरुल इस्लाम, रोशनी रस्तोगी, और सन्नी ठाकुर। आज लखनऊ में पत्रकारों को संबोधित करते हुए फिल्म के कलाकारों ने बताया कि यह फिल्म और इसके सभी किरदारों का का एक मात्र मकसद दर्शकों का मनोरंजन करना है। यह एक लाइट हार्टेड कॉमेडी फिल्म है जो परिस्थियों से उपजे मनोरंजन को परोस कर दर्शकों को हँसाने का काम करती है। इस फिल्म के लेखक और निर्देशक संजीव कुमार राजपूत हैं जबकि इसको प्रोड्यूस मयंक शेखर और नम्रता सिंह कर रहीं हैं। फिल्म की खास बात यह है की यह फिल्म सिचुएशनल कॉमेडी के साथ पारिवारिक रिश्तों को साथ लेकर चलती है। लेखक और निर्देशक संजीव कुमार राजपूत ने बताया कि यह फिल्म दर्शकों को अपने आस–पास के लोगों से जुड़ती हुई महसूस होगी उन्होंने यह भी बताया कि इस फिल्म में बदरुल इस्लाम, रोशनी रस्तोगी, पंकज बैरी और सन्नी ठाकुर, एहसान कुरैशी के साथ अन्य कलाकार भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर मयंक शेखर ने बताया कि यह फिल्म सिचुएशनल कॉमेडी के साथ ही साथ स्तौंधी जैसे रोग पर भी जागरूक करती है द्य उन्होंने बताया कि इस फिल्म से पहले वो अभिनेता राजकुमार राव के साथ श्रीकांत नाम की फिल्म पर काम कर चुके हैंद्य इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता राजकुमार राव को काफी व्यापक स्तर पर ट्रेनिंग दी थी।

विभीषणों ने भाजपा प्रत्याशी संगम की लंका जलाई

प्रतापगढ़। संगम लाल गुप्ता ने सांसद बनने के बाद पांच साल तक कोई ऐसा काम नहीं किया जो मील का पत्थर साबित होता। जुमलेबाजी और हवा हवाई बातें कर वोटरों को गुमराह किया। राजे रजवाड़े की धरती पर सवर्ण मतदाताओं से तालमेल बैठा नहीं पाए। बल्कि उनको कहीं न कहीं अपमानित करवाया। खुद का टिकट कटने से कई महारथी धराशाई हुए। लोगों ने मिलकर भीतरघात भी किया। विभीषणों ने संगम की लंका में ऐसी आग लगाई कि उन्हें पता ही नही चला। बैक वर्ड वोटरों ने भी साथ नहीं दिया। लोकसभा प्रतापगढ़ चुनाव का रिजल्ट घोषित होने के बाद अब ये सारी बातें चर्चा का विषय बनी हैं। भाजपा उम्मीदवार संगम लाल गुप्ता के हारने के बाद लोग चटखारे लेकर इस तरह की बातें खुलेआम कह रहे हैं।

संगम लाल जो कि पिछड़ी जाति से आते हैं उनको दुबारा टिकट मिलना कहीं न कहीं लोगों को खटकने लगा था। ऊपर से संगम का आमजन से सीधे संवाद न करने से जले पर नमक का काम किया। चुनाव के बीच ही इनके होटल पर बुई मारपीट और भुपियामऊ में विवाद ने इनके विरोधियों का मुंह खोल दिया। वे मुखर होकर विरोध करने लगे। इसके कई विडियो और ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। लेकिन संगम की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। लोगों का कहना है कि उनको भ्रम हो गया था कि वे मोदी के नाम पर जीत जायेंगे। हालांकि मोदी के नाम पर ही इतने वोट मिले। जीते नहीं इसकी वजह इनके नाम पर पार्टी कार्यकर्ताओं के अंदर सहमति न होना भी है। संगम के भाई दिनेश गुप्ता के बड़बोलेपन ने भी पराजय का मुंह दिखाया।

रोड़ो रूपयों की सरकारी भूमि को खाली करवाया

लखनऊ(आरएनएस) ।नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देशानुसार नगर में अवैध कब्जेदारों पर कार्यवाही एवं सरकारी भूमियोंध्संपत्तियों को कब्जा मुक्त करवाये जाने हेतु लगातार सघन अभियान चलाए जा रहे हैं।अभी तक करोड़ो रुपयों की विभिन्न सरकारी भूमिध्संपत्ति, जो विगत लंबे समय से कब्जे में थीं, उन्हें खाली करवाया जा चुका है।उसी क्रम मे आज नगर निगम अंतर्गत आने वाले जिन स्थानों पर सरकारी भूमियों को कब्जा मुक्त करवाते हुए अवैध कब्जेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।ग्राम–हरिहरपुर, तहसील सरोजनी नगर व जिला–लखनऊ की खसरा संख्या–290 क्षेत्रफल 0.089 तालाब व खसरा संख्या–232 क्षेत्रफल 0.667 हे0 राजस्व अभिलेखों में ऊसर के खाते में दर्ज है, जो नगर निगम में निहित सम्पत्ति है। उक्त खसरा संख्याओं पर अस्थाई रूप से पाये गये अवैध कब्जों को इन्द्रजीत सिंह, नगर आयुक्त एवं पंकज श्रीवास्तव अपर नगर आयुक्त के आदेश के क्रम में संजय यादव, प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) के आदेश के क्रम मेंसंजय सिंह कनौजिया, तहसीलदार, नीरज कटियार, नायब तहसीलदार, अविनाश चन्द्र तिवारी, राजस्व निरीक्षक व लेखपाल अनूप गुप्ता,सुभाष गुप्ता, राजेन्द्र यादव, संदीप यादव (द्वितीय), विनोद वर्मा, सुधांशु श्रीवास्तव लेखपाल व थानाध्यक्ष थाना–सुशांत गोल्फ सिटी के द्वारा उपलब्ध करायी गयी पर्याप्त पुलिस बल व नगर निगम की ई0टी0एफ0 टीम के सहयोग से उक्त अवैध कब्जे को शांतिपूर्ण ढंग से हटवा दिया गया है।उक्त अवैध कब्जों से 17,570.00 वर्गफूट भूमि मुक्त कराई गई, जिसकी बाजारू कीमत रू0 6,14,00,000.00 है। महापौर द्वारा सम्पत्ति विभाग के अन्तर्गत कार्यो की समीक्षा हेतु बैठक आहुत की गयी। उक्त समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त (पी0एस0), प्रभारी अधिकारी (सम्पत्ति) व सम्पत्ति विभाग के समस्त अधिकारीगण व लेखपाल उपस्थित रहें। उक्त बैठक में नगर निगम में निहित शासकीय भूमियों विशेषकर तालाब भूमि पर पाये गये अवैध कब्जों एवं अन्य शासकीय भूमियों पर किये गये अवैध कब्जों तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत आने वाले समस्त तालाब को चिन्हित किये जाने हेतु एवं उनको तालाब के स्वरूप में परिवर्तित किये जाने की कार्यवाही प्रस्तावित किये हेतु निर्देशित किया गया।

08 से 25 जून के बीच कार्ड धारकों को दिया जाएगा राशन

प्रतापगढ़। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया है कि जून महीने का राशन पात्र कार्ड धारकों को 8 से 25 जून के बीच कोटेदारों द्वारा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को खाद्यान्न का वितरण ई–पॉस वेइंग मशीन के जरिये किया जायेगा। जिसमें अन्त्योदय कार्डो पर 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। इसके अलावां अन्त्योदय कार्डधारकों को अप्रैल से जून का कुल 03 किग्रा0 चीनी रुपये 18 प्रति किग्रा0 की दर से भी दिया जायेगा। जिन पात्रों का आधार प्रमाणीकरण नहीं हो पाएगा उन्हें मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के जरिये 25 जून को दिया जाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 07 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

11 सी.एम.एस. छात्रों को भारत सरकार की 44 लाख रूपये की स्कॉलरशिप

लखनऊ, 6 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के 11 मेधावी छात्रों को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 44 लाख रूपये की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को चार लाख रूपये मिलेंगे। स्कॉलरशिप अर्जित करने वाले मेधावी छात्रों में विराज सिंह, हसित राजपूत, जय मिश्रा, सौम्या देशमुख, आकर्ष श्रीवास्तव, अभिषेक गुप्ता, पलक

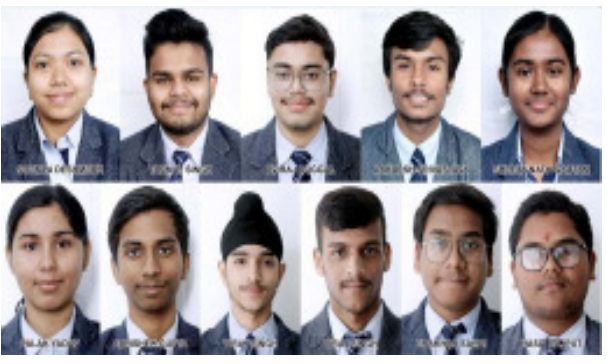

यादव, श्रेया नाथ गौतम, तन्मय सिंह, अविराज दुग्गल एवं प्रखर सहाय शामिल हैं। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सी.एम.एस. के इन मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी हैं। यह जानकारी सी.एम.एस. के जन–सम्पर्क अधिकारी श्री ऋषि खन्ना ने दी है। सी.एम.एस. छात्रों को यह स्कॉलरशिप विज्ञान विषय में उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. के मेधावी छात्रों ने इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता एवं शिक्षकों के अलावा विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। इस स्कॉलरशिप के अन्तर्गत प्रत्येक छात्र को पाँच वर्षों तक प्रतिवर्ष 80,000ः– रूपये अर्थात कुल चार लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इस प्रकार, सभी 11 छात्रों को कुल 44 लाख रूपये की स्कॉलरशिप प्रदान की जायेगी। सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस के इन मेधावी छात्रों ने इस वर्ष की आई.एस.सी. (कक्षा–12) परीक्षा–2024 में अपने मेधात्व का अभूतपूर्व परचम लहराते हुए पूरे देश में 'टॉप वन परसेन्ट' मेरिट सूची में स्थान अर्जित किया है।

गाय को बल्लम से चोंक चोंक कर युवक ने उतारा मौत के घाट

-काफी जद्दोजेहद के बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। इनायत नगर थाना क्षेत्र के घाटमपुर गांव में गौ हत्या का जघन्य अपराध सामने आया है। जहां एक मनबढ़ युवक ने लाठियों से पीट पीटकर एक गाय की हत्या कर दी है। मामले में काफी जद्दोजेहद के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि हिसामुद्दीनपुर पूरे भीमाताली गांव निवासिनी ज्ञानादेवी पत्नी दुर्गा प्रसाद ने शिकायत दर्ज कराई थी, कि मेरी गाय बुधवार को खूंटे से खुलकर भाग गई थी। मैं उसे पकड़ने के लिए पीछे पीछे चल रही थी। गाय भागते–भागते पड़ोसी गांव घाटमपुर के नीरज पुत्र तिलक राम के खेत के मेड़ तक जैसे पहुंची। नीरज ने उसे दौड़ा कर मारते रहे और वह गिरकर मर गई। ज्ञाना देवी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी नीरज के खिलाफ धारा 429 आईपीसी एवं 11(घ) पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल गौ हत्यारे को लेकर लोगों का आक्रोश बढ़ रहा है। हालांकि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। प्रभारी शिक्षक संदीप कुमार सिंह का कहना है कि आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हो सका है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृत गाय का फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में गाय के गुप्तांग तथा शरीर में कई जगहें वार किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस मुकदमा लिखने के बजाय पहले गाय को दफनवाने के लिए आई थी। लेकिन ग्रामीणों के विरोध करने के बाद वापस चली गई और पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी।

अटास इंडिया समागम की तैयारी में जुटे प्रादेशिक समन्वयक अनूप मल्होत्रा

अयोध्या (आरएनएस)। अटास इंडिया द्वारा पूर्व राष्ट्रपति स्काउट गाइड रोवर रेंजर समागम आगामी 14 जुलाई को अयोध्या स्थित सनबीम स्कूल में आयोजित होगा। जिसमे सम्पूर्ण देश से प्रतिभागिता होगी । इस संबंध में आयोजित विशेष बैठक में अधिक जानकारी देते हुए अटास इंडिया के प्रादेशिक समन्वयक अनूप मल्होत्रा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संस्था एसोसिएशन ऑफ टॉप अचीवर्स स्काउट(अटास) के भारत में 15 साल होने पर इस मौके पर समूचे देश से प्रतिभागियों का समागम अटास इण्डिया अध्यक्ष न्यायमूर्ति कल्पेश जावेरी के निर्देशानुसार अयोध्या में होना है। बैठक में समागम के लिए कोर कमेटी का गठन भी किया गया है जिसमें विवेकानंद पांडेय,बृजेंद्र कुमार दुबे, सागर उमर वैश्य,दीप सहाय,अभिनव सिंह राजपूत, राम लखन मौर्य,स्मिता सहाय,संगीता चौरसिया, निधि महेंद्रा ,गौरव सिंह, शशांक यादव,अनुज निगम,मुकेश साहू, हर्षित तिवारी को शामिल किया गया है। समागम में राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सम्मान समारोह के साथ ही स्काउटिंग दूत के रूप अपना योगदान युवा पीढ़ी को देने के लिए विचार विमर्श किया जाएगा तथा आगामी योजनाओं का निर्माण भी किया जाना है । समागम में राष्ट्रीय संयोजक मैक मैकी , राष्ट्रीय समन्वयक प्रदीप कुमार तथा अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे । बैठक में स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा आए हुए अतिथियों का भव्य स्वागत सत्कार करने के लिए रणनीतियों को अमली जामा पहनाया गया। अटास इंडिया की इस विशेष बैठक में मोहम्मद अजहर खान, गौरव सिंह,मुकेश साहू व हर्षित तिवारी आदि ने भी अपने अमूल्य विचार प्रदान किये।

सौर ऊर्जा का उपयोग वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता -प्रो. अजय प्रताप सिंह

अयोध्या (आरएनएस)। सौर ऊर्जा का उपयोग वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, अन्यथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए नष्ट हो चुका पर्यावरण ही विरासत में दे पाएंगे। उक्त बातें रामनगरी अयोध्या में सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टाटा पावर सोलर कंपनी की तरफ से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रो. अजय प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए और जीवाश्म ईंधन से बनने वाले बिजली पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार इन दिनों सौर उर्जा के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। इसलिए इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देना ही सबसे बेहतरीन उपाय है। जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यय अतिथि के साथ कंपनी के अफसर शिवलाल यादव व हिमांशु राय ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में कई उद्योगपति, डॉक्टर इंजीनियर भी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम कृष्णा सोलर इंडस्ट्री के द्वारा आयोजित किया गया। उपस्थित अतिथियों का कृष्णा सोलर इंडस्ट्री के तरफ से बुके माला पहनाकर स्वागत सत्कार भी किया गया। कृष्णा सोलर इंडस्ट्री के प्रोपराइटर उदय प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के सपने के अनुसार करोड़ों परिवारों में सोलर की स्थापना की जाएगी।

कलयुगी शिक्षक को 15 साल का कारवास

सुल्तानपुर (आरएनएस)। कलयुगी शिक्षक को छात्र से अप्राकृतिक संबंध बनाने के मामले में गुरुवार को कोर्ट ने 15 वर्ष कैद की सजा सुनाया है। साथ ही 15 हजार अर्थदंड भी कोर्ट ने लगाया है। पॉक्सो एक्ट में जज नीरज कुमार श्रीवास्तव ने आरोपी को दस वर्ष व अप्राकृतिक संबंध के मामले में पांच वर्ष की सजा सुनाया है। प्रकरण कोतवाली नगर के एक मोहल्ले से जुड़ा है। विशेष लोक अभियोजक रमेश चंद्र सिंह ने बताया कि 12 दिसंबर 2020 को पीड़ित के चाचा ने कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज कराया था। उनके अनुसार शास्त्रीनगर के कटहल बाग राजश्री पैलेस के पीछे रहने वाले शिक्षक मनोज कुमार पांडे उनके भतीजे को ट्यूशन पढ़ाते थे। 7 दिसंबर 20 को उन्होने 5.40 बजे भतीजे को फोन करके कहा कि दस मिनट में ट्यूशन पढ़ने आ जाओ। किशोर के वहां पहुंचने पर मनोज ने उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने की कोशिश की। किसी तरह जान बचाकर लड़का घर पहुंचा। डायल 112 पर फोन भी किया लेकिन परिवार में बड़ा व्यक्ति न होने पर थाने सूचना नहीं दे सका। पुलिस ने एफआईआर लिखकर आरोपी को जेल व आरोप पत्र न्यायालय भेजा।अभियोजन ने छ गवाहों को परीक्षित कराया। जिनके साक्ष्य पर विशेष जज ने मनोज को दोषी ठहराया और सजा काटने के लिए जेल भेज दिया। अर्थदंड की आधी धनराशि पीड़ित को देने का भी आदेश दिया है। उधर मामले में फंस जाने के बाद आरोपी ने कलेक्ट्रेट में काली कोट धारण कर प्रैक्टिस शुरू कर दिया था। लेकिन यह चाल उसे मामले में बचा नहीं सकी। 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं को और बेहतर बनाने की जरूरत–सीएमओ शिकायतो का निस्तारण त्वरित गति से हो:डां.ओम प्रकाश चौधरी

दुर्घटनास्थल व प्रसूताओ तक पहुंचने में समय का विशेष ध्यान हो–डां.लालजी

सुल्तानपुर (आरएनएस)। आए दिन 102 व 108 एम्बुलेंस सेवाओं की शिकायतें व सुधार को लेकर वृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डां. ओम प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में एक बैठक की गई, जिसमें 11 जिले के 102 व 108 के जिम्मेदार अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी ने संबोधित करते हुए कहाकि शासन द्वारा मरीजों के लिए जो सुविधाए चलाई जा रही है, उसका शत–प्रतिशत क्रियान्वयन करवाना संबंधितों की जिम्मेदारी है। सीएमओ डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने 11 जनपदो के क्वॉलिटी हेड, आप्रेशन हेड, एक्जीक्यूटिव मैनेजर, प्रोग्राम मैनेजर आशीष सिंह को आदि को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहाकि यदि हमसब अपने दायित्यों का निर्वाहन में कंजूसी दिखाएगें तो आम जनमानस को बेहतर सुविधा से वंचित होना पड़ेगा। अतएव हमें निरंतर अपने प्रयास को जारी रखना चाहिए, वही नोडलध्उप मुख्य चिकित्साधिकारी डां. लालजी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहाकि दुर्घटनास्थल व प्रसूताओ तक पहुंचने में समय का विशेष ध्यान रखना चाहिए, जिससे घायलों को समय से उपचार व प्रसूताओं को समय से गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। उक्त बैठक में डीपीएम, 102 व 108 के आंपरेशन हेड मिथिलेश त्रिपाठी, क्वॉलिटी हेड विपिन शुक्ला, प्रोग्राम मैनेजर आशीष सिंह सहित तमाम अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बालिका का जैविक माता–पिता/विधिक संरक्षक करे दावा

सुलतानपुर (आरएनएस)। जिला प्रोबेशन अधिकारी वी.पी. वर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि जनपद सुलतानपुर में दिनांक 12.04.2024 को एक लावारिस शिशु (बालिका), थाना गोसाईगंज, सुलतानपुर में पायी गयी थी, जो वर्तमान में संरक्षण के दृष्टिगत राजकीय बाल गृह शिशु, प्राग नारायण रोड, लखनऊ में संरक्षित है। यदि उक्त बालिका का कोई जैविक माता–पिता ध विधिक संरक्षक है तो वे अपना दावा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर जिला प्रोबेशन कार्यालय, विकास भवन, सुलतानपुर या जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय, विकास भवन, सुलतानपुर अथवा बाल कल्याण समिति, सुलतानपुर में उपस्थित होकर अपना दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

पति की लंबी आयु के लिए किया वट सावित्री का पूजन

जौनपुर(आरएनएस)। महिलाएं पति की लंबी आयु और स्वास्थ्य की कामना में कई व्रत रखती हैं. इनमें एक प्रमुख व्रत है वट सावित्री का व्रत। यह व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को रखा जाता है। गुरूवार को महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखकर बरगद के वृक्ष की पूजा किया। महिलाएं देवी सावित्री के पति प्रेम और पतिव्रत धर्म को स्मरण कर अखंड सौभाग्य के लिए प्रार्थना किया। इस दिन वट सावित्री की पूजा मान्यतानुसार महिलाओं को आम का मुरब्बा, गुड़ या चीनी जरूर खाना चाहिए. इस दिन प्रभु को पूड़ी, चना और पूआ को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए. वट सावित्री व्रत के दिन तामसिक प्रवृति की वस्तुएं बिलकुल नहीं खानी चाहिए। ज्ञात हो कि वट सावित्री व्रत सती सावित्री से जुड़ा है. सावित्री की कथा के अनुसार देवी सावित्री ने पति के प्राणों की रक्षा के लिए विधि के विधान को बदल दिया था। अपने सतीत्व और कठोर तपस्या से सावित्री ने यमराज को अपने पति सत्यवान के प्राण लौटाने पर विवश कर दिया था. यमराज ने वट वृक्ष के नीचे ही सत्यवान के प्राण लौटाए थे और वरदान भी दिया था कि जो सुहागिने वट वृक्ष की पूजा करेंगी उन्हें अखंड सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद मिलेगा। बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। इसलिए हिन्दू परंपरा में इसे पूज्य माना जाता है. प्राचीन काल में अलग अलग देवों से अलग अलग वृक्ष उत्पन्न हुए और उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ। इसलिए वट वृक्ष त्रिमूर्ति का प्रतीक होता है। इसकी छाल में विष्णु,जड़ में ब्रह्मा और शाखाओं में शिवजी का वास माना जाता है। यह प्रकृति के सृजन का प्रतीक है. इसलिए वट सावित्री पूजा के दौरान माताएं इस वृक्ष की पूजा करतीं हैं. इस दौरान इसमें वे कच्चा मौली धागा भी बांधती हैं। आज के दिन सुहागिन महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान यमराज, के साथ साथ सावित्री और सत्यवान की पूजा करती हैं. बरगद के वृक्ष पर सूत के धागा लपेटकर अंखड सौभाग्य की कामना करती हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, मुकदमा दर्ज

जौनपुर(आरएनएस)। केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा सरकी में मंगलवार की रात नवविवाहिता 22 वर्षीया करिश्मा की मृत्यु हो जाने पर उसके मायके पोटा बुजुर्ग थाना देवगांव जनपद आजमगढ़ से आए व उसके पिता पिंटु कुमार ने दहेज के लिए हत्या का मुकदमा केराकत कोतवाली में पति शमशेर, ससुर खिलाड़ी, सास शान्ति, ननद प्रीति, देवर विकास, के नाम दर्ज कराया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मृतका करिश्मा की पिछले वर्ष अक्टूबर में शादी हुई थी और कुछ दिन पूर्व ही वह अपने ससुराल सरकी आई हुई थी, मगंलवार रात उसके पेट में दर्द महसूस हुआ और तबियत खराब हो गई। जिसके बाद परिजनो ने उसे गर्मी से तबियत खराब होने का अंदेशा समझकर स्थानीय बाजार से दवा लाकर दे दिया, रात लगभग 1.30 बजे के आसपास ही उसकी मृत्यु हो गई। बाद में पहुंचे लड़की के पिता की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा व जांच पड़ताल में जुट गई।

पुलिस ने साइबर अपराधियों से लाखों की धनराशि पीडितों को करायी वापस

सुलतानपुर (आरएनएस)। ज्ञानेन्द्र मिश्रा पिता कैलाशनाथ मिश्रा निवासी ग्राम चरथई थाना धनपतगंज जनपद सुलतानपुर का पार्ट टाइम जॉब के लिए टेलीग्राम पर साइबर अपराधियों द्वारा लिंक भेजा गया जिसे पीड़ित द्वारा गलती से टेलीग्राम में जाकर लिंक पर क्लिक किया तो साइबर अपराधियों द्वारा पीड़ित के एकाउण्ट से कुल 1,46,000ः –रु0 छल करके निकाल लिए गये । जिसकी सूचना पीड़िता द्वारा साइबर थाने में दी गयी थी जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर अपराधियों के एकाउण्ट को फ्रीज कराया गया। तत्पश्चात न्यायालय के आदेश से साइबर अपराधियों द्वारा गमन की गयी धनराशि में से 80,000ः –रु0 पीडित के एकाउण्ट में वापस कराया गया। शेष धनराशि वापस कराने की कार्यवाही जारी है। साइबर अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है जिनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार मुनीब कुशवाहा पुत्र नारायण कुशवाहा निवासी विवेकनगर थाना कोतवाली नगर जनपद सुलतानपुर द्वारा साइबर थाने आकर सूचना दिया गया कि उनके एकाउण्ट से साइबर अपराधियों द्वारा मोबाइल पर भेजे गये लिंक को टच करने के फलस्वरूप कुल 99,000ः– रु0 कट गया था। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर अपराधियों के एकाउण्ट को फ्रीज कराया गया। तत्पश्चात न्यायालय के आदेश से साइबर अपराधियों द्वारा गमन की गयी धनराशि में से 25,269ः–रु0 दिनांक 02.06.2024 को पीडित के एकाउण्ट में वापस कराया गया। शेष धनराशि वापस कराने की कार्यवाही जारी है। साइबर अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है जिनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। प्रवीन्द्र कुमार सिंह पुत्र बद्रीप्रसाद सिंह थाना दृशिवगढ़ जनपद–सुलतानपुर ने साइबर थाने पर आकर सूचना दिया गया कि उनके एकाउण्ट से साइबर अपराधियों द्वारा मोबाइल पर भेजे गये ओ0टी0पी0 गलती से बताये जाने के फलस्वरूप कुल 84,708ः– रु0 कट गया था ।जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर अपराधियों के एकाउण्ट को फ्रीज कराया गया। तत्पश्चात न्यायालय के आदेश से साइबर अपराधियों द्वारा गमन की गयी सम्पूर्ण धनराशि 84,708ः–रु0 दिनांक 05.06.2024 को पीडित के एकाउण्ट में वापस कराया गया । साइबर अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है जिनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। शेष विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।

बूथ पर भाजपा की लुटिया डूबो दिये जनप्रतिनिधि

जौनपुर(आरएनएस)। जिले के दो लोकसभा क्षेत्रों का चुनाव घोषित होने पर नतीजों के आने के बाद सभी की निगाहें भाजपा के मलाई काट रहे जनप्रतिनिधि व पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों के बूथों पर लगी रहीं कि किस पार्टी को कितना मत प्राप्त हुआ। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र में जिलाध्यक्ष, राज्यमंत्री और नगर पालिका अध्यक्ष चेयरमैन भी अपनी बूथ पर भाजपा की लाज नहीं बचा सके। यहां पर सपा ने सेंध मारते हुए अधिक मत प्राप्त किए। जिले से हुई भाजपा की हार का प्रमुख कारण बूथ स्तर पर ठीक ढंग – से काम न करना था। जबकि कई महीनों बैठकों के बाद पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों ने ही अपने बूथ को भी मजबूत करने में लापरवाही की और पार्टी की लुटिया डुबो दिया जौनपुर लोकसभा क्षेत्र की सदर विधानसभा के तहत प्रदेश के राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव की बूथ संख्या 193 है। यहां पर भाजपा को महज 148 मत मिले वहीं सपा को 487 मत मिले।ऐसे ही भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के बूथ संख्या 395 कटघरा में भाजपा को महज 184 मत तो सपा को 452 मत मिले। इन्हीं के गांव के बूथ शाहगंज विधानसभा के छीतमपट्टी के बूथ संख्या 47 पर भाजपा को बढ़त मिली। यहां बीजेपी को 280 मत तो सपा को 159 वोट मिले। वहीं, सदर विधानसभा में नगर पालिका परिषद जौनपुर की चेयरमैन मनोरमा मौर्या के बूथ संख्या 263 पर भाजपा को जहां 306 मत प्राप्त हुए, वहीं सपा को 457 मत मिले। इस बूथ पर मौर्या समाज के वोट की संख्या अधिक बताई जाती है। सबसे चर्चित बूथ पूर्व सांसद धनंजय सिंह का रहा। भाजपा को यहां से सर्वाधिक मत प्राप्त होने की आशा थी, लेकिन ऐसा नहीं हारे सका।मल्हनी विधानसभा में धनंजय सिंह के बूथ संख्या 88 पर भाजपा को महज 71 वोट मिले। वहीं सपा ने 251 वोट हासिल किए। शाहगंज में सपा के पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई के बूथ संख्या 190 पर बीजेपी को 48 और सपा को 496 मत मिले। इसी क्षेत्र के वर्तमान विधायक रमेश सिंह के बूथ संख्या 30 पर भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा।

ट्रैक्टर के धक्के से पत्नी की मौत, पति गंभीर

जौनपुर(आरएनएस)। मडियाहूं कोतवाली क्षेत्र के ऊंचनी बाजार के निकट ट्रैक्टर की चपेट में आने से पत्नी की मौत हो गई जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते है कि इसी कोतवाली क्षेत्र के ताजुद्दीनपुर गांव निवासी भूलन गौतम बुधवार की देर शाम को अपनी 55 वर्षीया पत्नी सुमित्रा देवी को लेकर बाजार सामान खरीदने आए थें। दोनों बाइक से घर वापस जा रहें थें कि पीछे से तेज गति से आता हुआ ट्रैक्टर ने इन्हें धक्का मार दिया। धक्का लगते ही सुमित्रा ट्रैक्टर के नीचे आ गई। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने सुमित्रा को मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना में घायल पति को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सर्राफा व्यापारी को पीट कर चेन छीना

जौनपुर(आरएनएस)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के विशेसरपुर में स्थित एक रेस्टोरेंट के पास बुधवार की रात एक सर्राफा व्यापारी को पीट कर उसके सोने की चेन और मोबाइल छीन लिया है। बताया गया है कि ष्षहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला उर्दू बाजार निवासी पंकज कुमार सोनी पुत्र महेंद्र नाथ सोनी अपनी दुकान सिद्धिविनायक ज्वेलर्स सिरकोनी से बंद करके अपने दो साथियों के साथ उक्त ढाबे पर गए। वहां मौजूद पहले से कुछ लोग से इसके सोने की चेन पर हाथ डाल दिया। अपनी चेन बचाने के लिए जब पंकज सोनी ने विरोध किया तो उसके साथियों ने मिलकर इसे डंडे से तरह पीटा । हमले के दौरान इसके गले में रही 15 ग्राम सोने की चेन वह मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। घायल सर्राफा कारोबारी को उसके साथियों द्वारा जिला अस्पताल लाया गया। जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में सर्राफा कारोबारी जिला अस्पताल पहुंच गए। घायल द्वारा थाना लाइन बाजार पुलिस को तहरीर दी गई लेकिनपुलिस ने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं किया है ।

साइक्लोथैन का करवाया आयोजन

जौनपुर(आरएनएस)। जेसीआई चेतना द्वारा साइक्लोथैन का आयोजन करवाया गया जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे । यह ब्लॉसम केयर क्लासेस के बच्चों द्वारा किया गया । मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार मौर्या ने हरी झंडी दिखाकर रेस को आरंभ किया। उन्होने यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल, कन्याकुमारी, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, 12 ज्योतिर्लिंग, आदि जगहों पर साइकिल द्वारा भ्रमण किया। साइकिल रेस में बच्चों को पहले जेसीआई का बैच लगाया गया और उन्हें दिशानिर्देश दिया गया तथा प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से अवार्ड देकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया अन्य बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया। तथा उन बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। संचालन पूनम जायसवाल ने किया । शक्ति श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, विकास पाल, रितिक मौर्य, कविता राव, सुजीत निषाद, शशीकांत मौर्य, अशियम आदि उपस्थित रहे।

हत्याकांड में बहस की तिथि नियत

जौनपुर(आरएनएस)। अपर सत्र न्यायाधीश चर्तुथध्एम पी एम एल ए कोर्ट रूपाली सक्सेना ने सरपतहा थाना क्षेत्र के तांत्रिक हत्याकांड में गुरूवार को अभियुक्त पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सन्तोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा बहस आज पूर्ण हुई । इस दौरान वादी पक्ष से सहायक जिला शासकीय सतीश रघुवंशी, वीरेन्द्र मौर्य अधिवक्ता आशुतोष चतुर्वेदी,राज नाथ आदि उपस्थित रहे। मुकदमें में शेष बहस हेतु अन्य अभियुक्त की तरफ से अगली तिथि 07 जून नियत की गई है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 07 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

परिणाम सचमुच चौंकाने वाला

लोकसभा चुनाव के परिणाम सचमुच चौंकाने वाले रहे। यह चौंकना भारतीय जनता पार्टी और विशेषकर नरेन्द्र मोदी द्वारा पैदा की गई उस अतिश्योक्ति के संदर्भ में ज्यादा रहा जिसमें वे भाजपा को अकेले दम 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के पार ले जाने का जोरदार दावा कर रहे थे। सारा चुनाव इसी सीमा रेखा के इर्द–गिर्द घूम गया कि 400 पार होंगे या नहीं होंगे। मतदान के तुरंत बाद हुए एग्जिट पोल अनुमानों ने 400 पार की संख्या को जैसे वास्तविकता में ही बदल दिया, लेकिन जब वास्तविक परिणाम आए तो 400 पार की ये उड़ान किसी घायल परिंदे की तरह जमीन पर आ गई और 292 पर ही सिमट गई और राजग 300 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। भाजपा को सबसे तगड़ा झटका उत्तर प्रदेश ने दिया जहां वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरने में असफल रही। और समाजवादी पार्टी सबसे बड़े विजयी दल के रूप में उभरकर आई। मेनका गांधी, स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा आदि की हार के साथ–साथ सर्वाधिक आश्चर्यजनक और आघातकारी हार फैजाबाद (अयोध्या) में रही जहां समाजवादी पार्टी ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को पराजित कर दिया। पश्चिम बंगाल ने भी भाजपा को तगड़ा झटका दिया। जो भाजपा वहां 30 से ज्यादा सीटें लाने का दावा कर रही थी वो 30 सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में चली गई। अगर भाजपा को ओडिशा में ज्यादा सीटें न मिली होती और उसके सहयोगी दल तेलुगू देशम पार्टी या बिहार में जनता दल (यू) ने अपेक्षा से ज्यादा सीटें नहीं पाई होतीं तो भाजपा के लिए सरकार बनाना भी कठिन हो जाता। ये चुनाव परिणाम बताते हैं कि नरेन्द्र मोदी की और योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता में भारी गिरावट हुई है। उनका राम मंदिर का पत्ता, जिसे वे तुरुप का पत्ता मान रहे थे, नहीं चला। उसी तरह मांस, मछली और मंगलसूत्र और मुसलमान जैसे शिगूफे नहीं चले।

दूसरी ओर विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण, संविधान तथा लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर मतदाता को प्रभावित करने में सफल रहा। भाजपा की अपेक्षाओं को पिन चुभाने का काम उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरणों ने भी किया। मुसलमान और यादव मतदाता एकजुट होकर सपा और कांग्रेस गठबंधन के साथ थे तथा मोदी–योगी की शैली से नाराज कुछ अन्य जातियों के मतदाता भी सपा–कांग्रेस के साथ गए। उत्तर प्रदेश ने कई अर्थों में भाजपा के विजय रथ को रोक दिया। इन परिणामों पर कांग्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मोदी की नैतिक हार बताया और सरकार बनाने की स्थिति में न होते हुए भी अपनी जीत बताया है। इंडिया गठबंधन के कुछ घटक दलों ने भी मोदी से सीधे–सीधे इस्तीफे की मांग कर दी है। इस चुनाव की हार–जीत का विश्लेषण तो लंबे समय तक चलता रहेगा लेकिन इसने जहां एक ओर एग्जिट पोल की विसनीयता को ध्वस्त कर दिया तो दूसरी ओर चुनाव आयोग की विसनीयता को स्थापित कर दिया। इस चुनाव में श्मतदाता व्यवहार्यश्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन से मिथक भी टूट गया है कि जिन क्षेत्रों का सामाजिक–आर्थिक विकास होता है वहां जाति का प्रभाव कम हो जाता है।

बनारस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है और पिछले 10 वर्षो से वहां जितना विकास हुआ उतना शायद ही अन्य हिस्सों में हुआ होगा। लेकिन बनारस संसदीय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के अन्य संसदीय क्षेत्रों की ही तरह चुनावों में जाति बड़ा कारक रहा। भाजपा की देश के सबसे बड़े प्रदेश में चुनावी हार का एक सबसे बड़ा कारण प्रशासनिक शक्तियों का केंद्रीयकरण भी रहा है। पुलिस और प्रशासन के आगे आम आदमी बेबस और लाचार दिखाई देता रहा। महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों ने आम आदमी की बेबसी को परवान चढ़ा दिया। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के जीत के प्रति अति–आत्मविश्वास से छोटे नेता और कार्यकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। श्मोदी है तो मुमकिन हैश्च का जुमला भाजपा के कार्यकर्ताओं को इतना आस्त कर गया कि उन्होंने अपने वोटरों को घरों से निकालकर मतदान केंद्रों तक लाने की जहमत तक नहीं उठाई।

राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा रही है कि टिकट के बंटवारे को लेकर आरएसएस के स्वयंसेवक भाजपा से नाराज थे। चुनाव प्रचार के बीच भाजपा अध्यक्ष का यह बयान भी सर्वाधिक चर्चा में रहा कि अब भाजपा इतनी बड़ी पार्टी हो गई है कि उसे आरएसएस की मदद की जरूरत नहीं रही। लोगों को याद होगा कि वाजपेयी की सरकार के समय भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक और स्वदेशी आंदोलन के नेता दत्तोपंत ठेंगड़ी के बीच नीतियों को लेकर मतभेद थे। यह मतभेद खुलकर सामने भी आ गए थे। हालांकि सरकार और जनसंगठनों के बीच कार्यशैली और नीतियों को लेकर होने वाले मतभेद स्वाभाविक हैं। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान को लेकर दुष्प्रचार किया गया और स्वयंसेवकों को भ्रमित करने का प्रयास किया गया। इन्हीं वजहों से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि आरएसएस के स्वयंसेवकों ने इन चुनाव में बढ़–चढ़कर हिस्सा नहीं लिया। भाजपा के लिए संतोष की बात है कि उसका जनाधार ऐसे क्षेत्र में बढ़ा भी है जहां उसकी पहचान नगण्य थी। मसलन ओडिशा में वह विधानसभा में अपनी सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। उम्मीद है कि भाजपा अपनी हार की नीर–क्षीर समीक्षा करेगी और आगे बढ़ेगी।

वोटर, सचमुच स्तुत्य

2024 का जनादेश लोगों को अब रियलटाइम पॉलिटिक्स का स्वाद लेने का मौका देगा।लोकतंत्र कमजोर और थका–थका सा नजर आ रहा था, वह अप्रभावी सा लग रहा था। लेकिन अब ऐसा नहीं लगेगा।..4 जून इतिहास की किताबों में कई पीढ़ियों तक जनता में महान राजनैतिक जागृति की अभिव्यक्ति के दिन की रूप में दर्ज रहेगा।

वाह! क्या बात है! गजब कर डाला। देश का हमारा वोटर, सचमुच स्तुत्य।आप लोगों ने इतनी कष्टदायी गर्मी, उबलती दोपहर और लू का सामना करते हुए भी, बुलंद इरादों के साथ ईव्हीएम का बटन दबाकर भारत के लोकतंत्र की शान ऊंची कर दी। पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ा दिया। अब दुनिया नहीं कहेगी कि भारत में लोकतंत्र का क्षरण है, वह खतरे में है।

नतीजा मोदी सरकार के दरबारियों और उनकी भजन मंडलियों के लिए भले बड़ा झटका हों, लेकिन मेरे लिए और मेरे जैसे अन्य पत्रकारों के लिए, जो देश भर में घूम रहे थे और जिन्हें जनता का चुनावी मूड सूंघना आता है दृ के लिए चुनाव का यह नतीजा उम्मीद के अनुसार ही था।चुनाव शुरू से ही वैसा नहीं था जैसा नैरेटिव मार्च से बनाया जा रहा था। यह चुनाव कभी भी श्अब की बार 400 पास्य का चुनाव नहीं था। इस चुनाव में मतदाता मौन था और मुकाबला नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और जनता के उनसे मोहभंग के बीच था। या यूं कहें कि मुकाबला मोदी बनाम जनता में था।जनता होश में आ चुकी थी। कुछ लोगों को हवा में खतरनाक और झूठ के पुलिंदे पर आधारित जहरीली, अतिवादी राजनीति की गंध का अहसास हुआ। सच्चाई को छिपाकर, अनभिज्ञता और अज्ञान को बढ़ावा देकर उसका फायदा उठाने और धर्म और राष्ट्रवाद का घालमेल करने की साजिशें लोगों को समझ आ गईं थी।साथ ही उन्हें पहले कही गई झूठी बातें, आधारहीन प्रोपेगेंडा भी याद आ रहा था। उन्हें दिख रहा था कि इंडिया का भारत और भारत का इंडिया खतरे में हैं।

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए। इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम–जिहादी–सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र–विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव–2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी

गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुंरधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब–जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी। वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल–यू शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के तहत कार्य करने के कारण वह ऐसी सरकार के संचालन के तौर–तरीकों से अवगत हैं, लेकिन स्वयं उनके लिए ऐसी सरकार चलाना एक नया अनुभव होगा लेकिन वे भाजपा संगठन में अनेक पदों पर रहते हुए संगठन की गतिविधियों के कुशल संचालन से भिज्ञ है। देश–विदेश के दबावों को झेलते हुए उन्होंने भारत को एक शक्ति के रूप में खड़ा किया है, दुनिया जब आर्थिक संकट झेल रही है, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, निश्चित ही गठबंधन सरकार का उनका संचालन उनकी नेतृत्व क्षमता और सबको साथ लेकर चलने के राजनीतिक कौशल को एक नया आयाम देगी।

नतीजा सबसे बड़ा झटका

उमेश चतुर्वेदी

अठारहवीं लोक सभा चुनावों में भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी हो, लेकिन मोटे तौर पर देखें तो यह नतीजा उसके लिए सबसे बड़ा झटका ही माना जाएगा।

2014 में जब पार्टी 283 सीटों के साथ अपने दम पर बहुमत हासिल करके सत्ता में आई थी, तब कहा गया था कि देश का मतदाता प्रबुद्ध हो गया है। उसे अस्थिर सरकारें मंजूर नहीं हैं। 2019 के आम चुनाव ने इसी धारणा को आगे बढ़ाया और ब्रांड मोदी का नाम स्थापित हो गया, लेकिन 2024 में स्थितियां बदली हुई हैं। ये पंक्तियां लिखी जाते वक्त तक भाजपा अपने दम पर ढाई सौ

का आंकड़ा भी पार करती नहीं दिख रही है। ऐसे में सवाल उठेंगे कि भारतीय जनता पार्टी कहां चूकी?

भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद जिस उत्तर प्रदेश से रही है, वहां पार्टी को सीटों का सबसे ज्यादा नुकसान है। बिहार में भी वह सबसे बड़ा दल होती थी, लेकिन इस बार उसे जनता दल (यू) मात देता नजर आ रहा है। वह आगे निकल गया है। पश्चिम बंगाल में उसे बड़ी जीत की उम्मीद थी, तकरीबन सारे एक्जिट पोल ऐसी ही उम्मीद जता रहे थे, लेकिन वैसा नहीं हुआ। उलटे उसकी सीटें भी घट गई। राजस्थान में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। राज्य की आधी सीटों पर ही जीत हासिल होती नजर आ रही है। पार्टी को हरियाणा में भी झटका लगा है। लेकिन प्रज्ज्वल रेवन्ना कांड के बाद जिस कर्नाटक से उसे सबसे ज्यादा झटके की उम्मीद थी, वहां से उसे उतना नुकसान नहीं हुआ है।

भाजपा भले ही तमिलनाडु से बहुत उम्मीद कर रही थी, लेकिन वहां भी उसे 2014 की तरह महज एक सीट पर ही जीत मिलती नजर आ रही है। भाजपा को महाराष्ट्र में भी बड़ा नुकसान हुआ है। पिछली बार पार्टी के यहां से 22 सांसद जीते थे। लेकिन इस बार उसकी सीटें आधी रह गई हैं। एनसीपी से अलग होकर भाजपा का साथ देने वाले अजित पवार को महज एक ही सीटें मिलती नजर आ रही हैं। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा से बड़ा झटका लगा है। हालांकि पार्टी को सबसे ज्यादा समर्थन मध्य प्रदेश से मिला है। गुजरात में भी उसका गढ़ बचा हुआ है। असम, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल में भी उसका जादू चल रहा है।

सवाल यह है कि आखिर, भाजपा उत्तर प्रदेश में क्यों कमजोर हो गई? फौरी तौर पर देखें तो सबसे बड़ा कारण यहां के युवाओं के गुस्से को बड़ा कारण माना जा रहा है। राज्य में बार–बार परीक्षाओं के पेपर आउट होते रहे। इससे युवाओं में गुस्सा रहा। इसकी वजह से उनकी नौकरियां लगातार दूर जाती रहीं। अग्निवीर योजना को लेकर विपक्षी दलों विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस तरह मुद्दा बनाया, उसने युवाओं में भाजपा के खिलाफ गुस्सा भर दिया। राम मंदिर के निर्माण के बाद समूचा देश जिस तरह राममय हुआ था, उससे भाजपा को उम्मीद थी कि पार्टी को रामभक्तों का बहुत साथ मिलेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश में ही राम की लहर नहीं चल पाई।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की मौजूदा हालात के चलते 1999 का आम चुनाव याद आ रहा है। तब उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था, इस लिहाज से उत्तर प्रदेश में लोक सभा की 85 सीटें थीं। 1998 के आम चुनावों में भाजपा को राज्य से 52 सीटें मिली थीं। लेकिन बाद में कल्याण सिंह ने बागी रुख अपना लिया तो अगले ही साल हुए आम चुनावों में भाजपा की 23 सीटें घट गई।

कुछ ऐसी ही स्थिति इस बार भाजपा की उत्तर प्रदेश में होती दिख रही है। पार्टी अपना आकलन तो करेगी, लेकिन मोटे तौर पर माना जा रहा है कि भाजपा को राज्य में सबसे ज्यादा नुकसान युवाओं के गुस्से, राज्य सरकार के स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार ना रोक पाने और गलत उम्मीदवार देने की वजह से हुआ। उदाहरण के लिए बलिया से नीरज शेखर की उम्मीदवारी पर पार्टी के ही लोगों को सबसे ज्यादा ऐतराज रहा। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी डाक मतमत्रों में छह हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चलते रहे, इसका मतलब साफ है कि भाजपा को लेकर राज्य में एक तरह से गुस्सा था, जिसे भांपने में पार्टी नाकाम रही। बिहार के बारे में माना जा रहा था कि नीतीश को नुकसान होगा लेकिन इसके ठीक उलट नीतीश अपनी ताकत बचाए रखने में कामयाब हुए हैं। राज्य में अब जनता दल सबसे बड़ा संसदीय दल है। तो क्या यह मान लिया जाए कि 2020 के विधानसभा चुनावों में कमजोर किए जाने की कथित कोशिश को पलट दिया है? पार्टी को महाराष्ट्र में शायद अजीत पवार को साथ लाना उसके वोटरों को पसंद नहीं आया। भाजपा ही उन्हें राज्य की सिंचाई घोटाले का आरोपी मानती रही और उन्हें ही उपमुख्यमंत्री बनाकर ले आई। जब कोई विपक्षी व्यक्ति पार्टी या गठबंधन में लाया जाता है, तो सबसे ज्यादा जमीनी कार्यकर्ता को परेशानी होती है। वह पसोपेश में पड़ जाता है कि कल तक वह अपनी पार्टी लाइन के लिहाज से जिसका विरोध करता रहा, उसका अब कैसे समर्थन करेगा। महाराष्ट्र का कार्यकर्ता इसीलिए निराश रहा। जिसका असर चुनावी नतीजों पर दिख रहा है।

हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट मतदाताओं को सबसे ज्यादा गुस्सा अग्निवीर और शासन में उसकी घटती भागीदारी को लेकर रहा। इसकी वजह से यहां का अधिसंख्य मतदाता पार्टी से रुष्ट हुआ और नतीजा सामने है। राजस्थान में भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री भजनलाल को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। पार्टी की दिग्गज नेता वसुंधरा को किनारे लगाया जाना भी भाजपा की अंदरूनी राजनीति पर असर डाला। इसका असर है कि पार्टी राज्य में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। पश्चिम बंगाल में ममता अपने किले को बचाने में कामयाब रहीं। हालांकि ओडिशा में पार्टी का जबरदस्त प्रदर्शन रहा जहां राज्य सरकार के साथ ही संसद की ज्यादातर सीटों पर वह काबिज हो चुकी है। इस चुनाव ने यह भी संदेश दिया है कि गठबंधन की राजनीति खत्म नहीं हुई है। दो कार्यकाल में अपने दम पर बहुमत हासिल करने के चलते मोदी–शाह की जोड़ी लगातार अपने एजेंडे को लागू करती रही लेकिन अब गठबंधन की सरकार होगी, इसलिए अब इस जोड़ी को पहले के दो कार्यकाल की तरह काम करना आसान नहीं होगा। एक धारणा यह भी बन गई थी कि जिस संगठन के चलते भाजपा की पहचान थी,

आज का राशिफल

मेष राशि आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आप का स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। कोई रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृष राशिरू आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस–पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से जुड़ने का विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

मिथुन राशिरू आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

कर्क राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक–झोंक होगी, इससे रिश्ते में और मिठास आयेगी। आज पैसों के लेन–देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

सिंह राशिरू ाज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्तें के बारे में घरवालों को बताएँगे, घरवाले इसपर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे।

कन्या राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका कोई पुराना दोस्त आपको फोन करके आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी।

तुला राशिरू आज का दिन मिली–जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। कोई आपके काम की शिकायत कर सकता है।

वृश्चिक राशिरू आज आपको किसी अपने से कोई अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे।

धनु राशि रू आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा कराएगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, कोई नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जीवनसाथी के साथ कोई अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे।

मकर राशिरू आज आपका दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे–समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिरू आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी।

मीन राशिरू आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 07 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

गाजा के स्कूल पर इजराइली हमले में 30 लोगों की मौत, पांच बच्चे भी शामिल

बृहस्पतिवार को मध्य गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि इस स्कूल का इस्तेमाल हमास के अड्डे के रूप में किया जा रहा था। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देर अल–बला। बृहस्पतिवार को मध्य गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने कहा कि इस स्कूल का इस्तेमाल हमास के अड्डे के रूप में किया जा रहा था। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला तब हुआ जब सेना ने कहा कि वह मध्य गाजा में नए हवाई और जमीनी अभियान शुरू कर रही है और एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा समूह ने हताहतों की संख्या में वृद्धि की सूचना दी है। अस्पताल के रिकॉर्ड और अस्पताल में एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता के अनुसार, देर अल–बला में अल–अक्सा शहीद अस्पताल में स्कूल पर हमले की वजह से कम से कम 30 शव मिले और एक घर पर अलग से किए गए हमले के बाद छह और शव मिले। इससे पहले हमास द्वारा संचालित मीडिया ने स्कूल पर किए गए हमले में अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने की सूचना दी थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने फलस्तीनियों को सहायता प्रदान करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित स्कूल पर हमला किया। एजेंसी को 'यूएनआरडब्ल्यूए' के नाम से जाना जाता है। इजराइली सेना ने दावा किया कि 'हमास' और 'इस्लामिक जिहाद' संगठनों ने अपनी गतिविधियों के लिए स्कूल का इस्तेमाल ढाल के रूप में किया। हालांकि, सेना ने तत्काल इसका कोई सबूत पेश नहीं किया। गाजा में 'यूएनआरडब्ल्यूए' स्कूल युद्ध की शुरुआत से ही आश्रय के रूप में काम कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण 23 लाख से अधिक फलस्तीनियों की अधिकांश आबादी विस्थापित हो गई है। इजराइली सेना ने दावा किया, हमले के दौरान निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचने के जोखिम को कम करने के लिए हमला करने से पहले कई कदम उठाए गए थे, जिनमें हवाई निगरानी करना और अतिरिक्त खुफिया जानकारी शामिल हैं। नुसेरात शरणार्थी शिविर गाजा पट्टी के मध्य में है। यह मध्य गाजा में बना एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर है जो 1948 के अरब–इजराइल युद्ध के समय से है। युद्ध की शुरुआत सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले से हुई जिसमें कम से कम 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य लोगों को बंधक बनाया गया। गाजा पट्टी में इजराइली सैन्य अभियान में कम से कम 36,000 फलस्तीनी मारे गए हैं, जबकि इजराइली कब्जे वाले 'वेस्ट बैंक' में अभियानों में सैकड़ों अन्य मारे गए हैं।

एनडीए में टिके रहने के बदले स्पीकर पद मांग सकते हैं जेडीयू–टीडीपी

लोकसभा चुनाव परिणाम 2024

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के परिणामों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत जरूर मिला है, लेकिन भाजपा पिछड़ गई है।अब एनडीए की सरकार बनाने के लिए सहयोगी पार्टियों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में सबकी निगाहें नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और चंद्रबाबु नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर है।खबर है कि इन दोनों पार्टियों ने गठबंधन में बने रहने के लिए भाजपा के सामने बड़ी शर्त रख दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जेडीयू और टीडीपी दोनों ही भाजपा से लोकसभा स्पीकर पद की मांग कर रहे हैं। दोनों ने इस संबंध में अपना संदेश भाजपा आलाकमान को भी भेज दिया है।सूत्रों के हवाले से कहा टीडीपी प्रमुख नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने स्पीकर पद को लेकर भाजपा के कुछ दूसरे सहयोगियों को भी संकेत दे दिए हैं। दोनों फिलहाल बैठक के लिए दिल्ली आ रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नायडू आज शाम में होने वाली एनडीए की बैठक में स्पीकर पद की मांग कर सकते हैं।बता दें कि 1998 में जब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी, तब भी स्पीकर पद टीडीपी के पास था। तब टीडीपी के जीएमसी बालयोगी ये जिम्मेदारी संभाल रहे थे।इस दौरान वे विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों की व्यावसायिक सलाहकार समिति, नियम समिति, सामान्य प्रयोजन समिति और स्थायी समिति के अध्यक्ष भी रहे।

सूत्रों का कहना है कि ये कदम भविष्य में किसी भी तोड़फोड़ से बचने के लिए है।माना जा रहा है कि सरकार गठन के बाद भाजपा खुद का कुनबा बढ़ाने के लिए सियासी तौर पर तोड़फोड़ कर सकती है। ऐसी स्थिति में स्पीकर की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि दलबदल कानून के तहत संसद सदस्यों की सदस्यता पर अंतिम निर्णय स्पीकर के द्वारा ही लिया जाता है।नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने इस देश में कई राजनीतिक बदलाव देखे हैं। हम एनडीए में हैं और मैं एनडीए की बैठक के लिए दिल्ली जा रहा हूं। मतदाताओं के समर्थन से मैं बहुत खुश हूं। राजनीति में उतार–चढ़ाव आम बात है। इतिहास में कई राजनीतिक नेताओं और पार्टियों को बाहर किया गया है। यह यह एक ऐतिहासिक चुनाव है। यहां तक कि विदेशों से भी मतदाता अपने वोट का प्रयोग करने के लिए अपने गृहनगर लौट आए।

चुनाव नतीजों में एनडीए को 292 सीटें मिली हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के हिस्से 234 सीटें आई हैं। अन्य के खाते में 17 सीटें गई हैं। भाजपा को 240 और कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं।इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) को 37, गठबंधन कांग्रेस को 29, द्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) को 22, टीडीपी को 16, जेडीयू को 12, दलित (उद्धव) को 9, एनसीपी (शरद) को 8 और दलित (शिंदे) को 7 सीटें मिलीं।

यूपी में बीजेपी के कमजोर प्रदेश के बाद आज दिल्ली पहुंचेंगे सीएम योगी, मेगा बैठक में होंगे शामिल

नईदिल्ली,। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब बीजेपी केंद्र में सरकार बनाने की तैयारियां कर रही है. प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी 8 जून यानी शनिवार को शपथ ग्रहण कर सकते हैं. शपथ ग्रहण के लिए पीएम मोदी ने अपने पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण भेजा है. इस बीच दिल्ली में बैठकों का दौर भी जारी है. इसी के साथ बीजेपी ने कल यानी शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है. जिसमें पार्टी के सभी सांसदों और मुख्यमंत्रियों को शामिल होने के लिए कहा गया है.

इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे. बैठक में सीएम योगी पर सबकी नजरें होंगी. क्योंकि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जबरदस्त समर्थन मिलने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बावजूद यूपी में इस बार बीजेपी लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई.

शुक्रवार को होने वाली बीजेपी की मेगा बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरी पार्टी की नजरें होंगी. जिसकी वजह यूपी में लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली कम सीटें हैं. क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 में से बीजेपी ने 73 सीटें जीती थी. जबकि 2019 के आम चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और बीजेपी ने 63 सीटों पर जीत दर्ज की थी. लेकिन इस बार राम मंदिर निर्माण और यूपी विधासनभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद भी बीजेपी पिछले दो चुनावों वाला रिकॉर्ड कायम नहीं रख पाई और सिर्फ 33 सीटें ही जीत पाई. राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, यूपी में बीजेपी का खराब प्रदर्शन केंद्रीय नेतृत्व का सीएम योगी को नजर अंदाज करना है. जिससे राज्य के राजपूत वोटर्स ने इस बार बीजेपी को वोट नहीं दिया. इसके अलावा लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में भी सीएम योगी की पसंद के उम्मीदवार न उतारना भी रहा है. जिसके चलते सीएम योगी ने इस चुनाव में पहले जैसा उत्साह नहीं दिखाया, जिसके चलते बीजेपी को इस चुनाव में भारी नुकसान हुआ. ऐसा माना जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व अब सीएम योगी से इस बारे में बातचीत कर सीएम योगी की नाराजगी दूर करने की कोशिश करेंगे.वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, दोनों उपमुख्यमंत्री जगजीत देवड़ा और राजेश शुक्ला भी बीजेपी की मेगा बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचेंगे. इसके साथ ही बीजेपी आलाकमान ने अपने तमाम नवनिर्वाचित सांसदों को भी कल होने वाली बैठक के लिए दिल्ली तलब किया है.

देवेंद्र फडणवीस आज जाएंगे दिल्ली, इस्तीफे पर लग सकती है मुहर

0–सियासी हलचल तेज

नईदिल्ली देश में लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि बीजेपी पहले से तीसरे पायदान पर आ गई है. राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी ने 48 लोकसभा सीटों में से 30 पर जीत हासिल की है, जबकि सत्तारूढ़ महायुति को केवल 17 सीटों से संतोष करना पड़ा. भाजपा पूरे राज्य में सिर्फ 9 सीटें ही जीत पाई है, जबकि 2019 में भाजपा ने 23 सीटें जीती थीं. बता दें कि अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने बारामती में हराया है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 13 सीटें जीती हैं, जो 2019 में राज्य में पार्टी द्वारा जीती गई एकमात्र सीट से कहीं ज्यादा है.आपको बता दें कि महाराष्ट्र में बीजेपी के खराब प्रदर्शन से केंद्रीय नेतृत्व को बड़ा झटका लगा है. इस पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र बीजेपी में कुछ बड़े संगठनात्मक बदलाव की संभावना है. पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने इस्तीफे की पेशकश की है. इस बीच, उपमुख्यमंत्री फडणवीस आज दिल्ली जाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे. सूत्रों की मानें तो इस मुलाकात के बाद फडणवीस कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं.

वहीं खबर है कि फडणवीस महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के अपने फैसले पर भाजपा आलाकमान से चर्चा करेंगे. कहा जा रहा है कि फडणवीस इस्तीफा देने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं, लेकिन राज्य भाजपा के नेता उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके चलते फडणवीस ने आश्वासन दिया है कि वह अगला फैसला पूरी तरह विचार करने के बाद लेंगे.

इसके अलावा लोकसभा परिणाम घोषित होने के बाद बुधवार को मुंबई में महाराष्ट्र भाजपा की अहम बैठक हुई जिसमें राज्य में हार के कारणों पर चर्चा की गई. इसके बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में बीजेपी की हार की जिम्मेदारी ली. वहीं पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मैं महाराष्ट्र में ऐसे नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं. क्योंकि मैं पार्टी का नेतृत्व कर रहा था. मैं बीजेपी आलाकमान से अनुरोध करता हूं कि मुझे सरकार की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि मैं आगामी चुनावों में पार्टी के लिए कड़ी मेहनत कर सकूं.

दिल्ली में एनडीए सांसदों की बैठक आज

0–प्रधानमंत्री पद के लिए पीएम मोदी के नाम का होगा औपचारिक ऐलान

नईदिल्ली ,। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं. बुधवार को हुई एनडीए की बैठक में उन्हें सदन का नेता चुन लिया गया. आज एनडीए सांसदों की बैठक होने जा रही है. जिसमें औपचारिक रूप से पीएम पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का ऐलान किया जाएगा. इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना के सांसद भी दिल्ली पहुंच रहे हैं. वह पीएम मोदी समेत सहयोगी दलों के तमाम नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं. इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को भले ही झटका लगा है. लेकिन वह अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने के आंकड़ों के कहीं ज्यादा सीटें जीती है. बीजेपी ने इस बार 240 सीटों पर जीत दर्ज की है तो वहीं बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के घटक दलों ने कुल 293 सीटें प्राप्त की हैं. जिससे पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए रास्ता साफ हो गया है. ऐसा माना जा रहा है कि नरेंद्र मोदी शनिवार (8 जून) को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं. शपथ ग्रहण के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे समेत तमाम राजनेताओं को न्योता भेजने की बात भी सामने आई हैं. उधर बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों की बैठक हुई. जिसमें फैसला लिया गया कि इंडिया ब्लॉक फिलहाल सरकार बनाने की कोशिश नहीं करेगा. लेकिन वह मौके की तलाश में रहेगा. बता दें कि इस बार कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इंडिया गठबंधन के तहत यूपी में जबरदस्त सफलता पाई. जहां समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीत लीं तो वहीं कांग्रेस के खाते में 6 सीटें आई हैं यानी इस बार इंडिया गठबंधन ने यूपी में 43 सीटों पर जीत हासिल की है.

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ, बदली गई तारीख

नईदिल्ली, । आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सबसे बड़ी पार्टी उभरी है। उसने जगन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह मात दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव नतीजों के बाद टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू राज्य की सत्ता संभालने की तैयारी कर रहे हैं। वह संभवतरू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।नायडू राज्य में चौथी बार मुख्यमंत्री के रूप में कामकाज संभालेंगे। पहले वह 9 जून को शपथ लेने वाले थे। नायडू पहले 9 जून के अपने शपथ ग्रहण समारोह में नरेंद्र मोदी को भी प्रधानमंत्री के तौर पर आमंत्रित करने वाले थे, लेकिन तब तक केंद्र में सरकार बनने को लेकर असमंजस की स्थिति थी।बुधवार को स्थिति साफ होने के बाद नायडू के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख बदल दी गई।बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 7 जून को सरकार बनाने का दावा पेश करेगी।8 जून को मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। आंध्र में चुनाव से पहले भाजपा ने नायडू की टीडीपी और फिल्म अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन किया था।चुनाव परिणाम आने के बाद टीडीपी को राज्य की 175 में 135 सीट, जन सेना को 21 और भाजपा को 8 सीटें मिली हैं। वाईएसआर कांग्रेस को 11 सीटों पर संतोष करना पड़ा है।नायडू 1995–2004 तक राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2014 में तेलंगाना बनने के बाद नायडू आंध्र के पहले मुख्यमंत्री बने थे।

पाक प्रधानमंत्री बीजिंग पहुंचे, निवेश बढ़ाने और संबंध मजबूत करने पर शी चिनफिंग से चर्चा करेंगे

चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एपीपी' की खबर के अनुसार यहां अपने प्रवास के दौरान शरीफ शी चिनफिंग, प्रधानमंत्री ली क्यांग और अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे। बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं और उपरोक्त मुद्दों को लेकर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एपीपी' की खबर के अनुसार यहां अपने प्रवास के दौरान शरीफ शी चिनफिंग, प्रधानमंत्री ली क्यांग और अन्य नेताओं से मुलाकात करेंगे। वह पाकिस्तान–चीन संबंध और व्यापार कार्यक्रम में भी भाग लेंगे और चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रही प्रमुख चीनी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ बैठक करेंगे। खबर में बताया गया कि दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है और उसने औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से छह अरब से आठ अरब अमेरिकी डॉलर के बीच राहत राशि मुहैया कराने का अनुरोध किया है। शेनझेन में निवेशकों की बैठक को संबोधित करते हुए शरीफ ने चीन के कर्मचारियों को उन पर बार–बार हो रहे आतंकी हमलों से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के नेता शरीफ (72) मार्च में पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनने पर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली विदेश यात्रा के लिए चीन में हैं। 'पाकिस्तान–चीन बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए शरीफ ने चीनी निवेशकों को हरसंभव सुविधा प्रदान करने तथा पाकिस्तान में चीन के नागरिकों, परियोजनाओं और निवेशों की सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पाकिस्तान में चीन के श्रमिकों की रक्षा के खातिर पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

पीएम मोदी को जीत की बधाई देते हुए ये क्या कह गए ट्रूडो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी 4 जून को संपन्न हुए भारत के आम चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। भाजपा ने संसद के निचले सदन लोकसभा में 240 सीटें जीतीं, सीटों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। कनाडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। देश के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गुरुवार सुबह अपने बधाई संदेश में कहा कि चीन के बाद भारत देश के लोकतंत्र के लिए दूसरा सबसे बड़ा विदेशी खतरा है। जस्टिन ट्रूडो पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर भारत के खिलाफ कनाडा के हमले का नेतृत्व कर रहे हैं। ट्रूडो ने कहा कि देश मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मोदी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई। उनके कार्यालय ने उनके हवाले से कहा, कनाडा हमारे देश के लोगों के बीच मानवाधिकारों, विविधता और कानून के शासन पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। कनाडा और भारत के बीच इस आरोप को लेकर कूटनीतिक विवाद चल रहा है कि कनाडा की धरती पर भारतीय एजेंटों ने निज्जर की हत्या की साजिश रची थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी 4 जून को संपन्न हुए भारत के आम चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। भाजपा ने संसद के निचले सदन लोकसभा में 240 सीटें जीतीं, सीटों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भाजपा सामान्य बहुमत से 32 पीछे रह गई, जिससे उसे अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों पर भरोसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मोदी संभवतः 8 जून को पद की शपथ लेंगे।

आलराउंडर ने दिलाई यूगांडा को जीत, 43 साल के गेंदबाज नसुबुगा ने भी रचा इतिहास

यूगांडा के अनुभवी स्पिनर फ्रैंक नसुबुगा ने गुयाना में इतिहास रच दिया। 43 साल की उम्र में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप में नसुबुगा ने सिर्फ 4 रन देकर 2 विकेट लिए। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए 4 रन सबसे कम हैं। यूगांडा ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की है। उसने गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप सी के मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया। यूगांडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। उसका ये फैसला तब सही साबित हुआ जब पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 19.1 ओवर में महज 77 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। यूगांडा के अनुभवी स्पिनर फ्रैंक नसुबुगा ने गुयाना में इतिहास रच दिया। 43 साल की उम्र में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप में नसुबुगा ने सिर्फ 4 रन देकर 2 विकेट लिए। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए 4 रन सबसे कम हैं। इससे पहले टूर्नामेंट में श्रीलंका के खिलाफ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने 4 ओवर में 7 रन दिए थे। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए यूगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट पर 78 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। हालांकि, एक समय यूगांडा ने महज 6.3 ओवर में 26 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए थे। उस समय ऐसा लग रहा था कि वह 78 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाएगा। लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के गिलगिल में जन्में ऑलराउंडर रियाजत अली शाह ने 56 गेंद में 33 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। खास ये है कि पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ यूगांडा की ये पहली जीत भी है। जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी। फ्रैंक नसुबुगा की अगुवाई में यूगांडा के बॉलर्स ने कसी हुई गेंदबाजी की। नतीजा ये हुआ कि, विपक्षी पापुआ न्यू गिनी 77 रन ही बना पाई। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। यूगांडा ने धीमी पिच पर पावरप्ले में 4 विकेट गंवा दिए थे। रियाजत अली जब बल्लेबाजी करने आए तो यूगांडा का स्कोर 1.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर महज 6 रन ही था। इसके बाद छठे ओवर की 5वीं गेंद तक यूगांडा ने 2 विकेट और गंवा दिए। इसके बाद रियाजत अली ने जुमा मियागी के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 35 रन की अहम साझेदारी निभाई। लेकिन जब टीम लक्ष्य से महज 3 रन दूर थी, तो रियाजत अली को नॉर्मन वानुआ की गेंद पर जॉन कारिको ने थर्ड मैन के पास कैच थमाया।

मुकाबले के लिए फिट हैं कप्तान रोहित शर्मा, पिच की शिकायत नहीं करेगी भारतीय टीम

ठब्ब् के एक सूत्र ने बताया कि, रोहित शर्मा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए वह फिट हैं। सूत्र ने कहा कि, रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा था कि ये थोड़ी ही दर्द वाली है। फिलहाल उन्हें पाकिस्तान मैच के लिए ठीक होना चाहिए। उससे पहले दो अभ्यास सत्र हैं। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में भारतीय टीम ने आयरलैंड को हराकर अपना पहला मैच जीता, लेकिन इस बीच पिच को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। खुली दरारों के चलते पिच खतरनाक साबित हो रही है, जिसके चलते रहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हुए। उसके बाद ऋषभ पंत की कोहनी में गेंद लगी, हालांकि उन्होंने अपना खेल जारी रखते हुए छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वहीं रोहित शर्मा के कंध ो में चोट लगने के कारण वह रिटायर हर्ट हो गए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि रोहित शर्मा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए वह फिट हैं। सूत्र ने कहा कि, रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा था कि ये थोड़ी ही दर्द वाली है। फिलहाल उन्हें पाकिस्तान मैच के लिए ठीक होना चाहिए। उससे पहले दो अभ्यास सत्र हैं। न्यूयॉर्क स्टेडियम की पिच को लेकर विशेषज्ञों ने भी अपनी–अपनी राय दी है और इसे सही नहीं बताया। इस बीच, भारतीय टीम प्रबंधन द्वारा पिचा को लेकर शिकायत नहीं करने की संभावना है। भारतीय टीम से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया कि, ये वास्तव में एक बहुत ताजा पिच है। यहां उजली घास तो है लेकिन साथ में बड़ी–बड़ी दरारें भी हैं। तो ये सीम करेगा लेकिन लेंथ से उछाल भी खाएगा। अब जब आपके पास इस तरह का एक ताजा ट्रैक होता है तो आप सबसे पहले कुछ गेम आजमाते हैं, जैसे आप किसी नए ऐप के साथ बीटा परीक्षण करते हैं। फिर आप इसे बाजार में उतारतें हैं। ये टी20 विकेट नहीं है और चारों ट्रैक एक जैसे दिखते हैं। सूत्र ने कहा कि, खुशी होनी चाहिए कि रोहित और ऋषभ पंत को कुछ भी गंभीर नहीं हुआ। वे ठीक हैं। इसके अलावा दरार भरी पिच के चलते आयरलैंड के हैरी टेक्टर के पहले ग्लव्स और फिर हेलमेट में जसप्रीत बुमराह की गेंद लगी।

मुकाबले के लिए फिट हैं कप्तान रोहित शर्मा, पिच की शिकायत नहीं करेगी भारतीय टीम

सूत्र ने बताया कि, रोहित शर्मा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए वह फिट हैं। सूत्र ने कहा कि, रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा था कि ये थोड़ी ही दर्द वाली है। फिलहाल उन्हें पाकिस्तान मैच के लिए ठीक होना चाहिए। उससे पहले दो अभ्यास सत्र हैं। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में भारतीय टीम ने आयरलैंड को हराकर अपना पहला मैच जीता, लेकिन इस बीच पिच को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। खुली दरारों के चलते पिच खतरनाक साबित हो रही है, जिसके चलते रहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हुए। उसके बाद ऋषभ पंत की कोहनी में गेंद लगी, हालांकि उन्होंने अपना खेल जारी रखते हुए छक्का लगाकर मैच खत्म किया। वहीं रोहित शर्मा के कंध ो में चोट लगने के कारण वह रिटायर हर्ट हो गए। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि रोहित शर्मा की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए वह फिट हैं। सूत्र ने कहा कि, रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने खुद कहा था कि ये थोड़ी ही दर्द वाली है। फिलहाल उन्हें पाकिस्तान मैच के लिए ठीक होना चाहिए। उससे पहले दो अभ्यास सत्र हैं। न्यूयॉर्क स्टेडियम की पिच को लेकर विशेषज्ञों ने भी अपनी–अपनी राय दी है और इसे सही नहीं बताया। इस बीच, भारतीय टीम प्रबंधन द्वारा पिचा को लेकर शिकायत नहीं करने की संभावना है। भारतीय टीम से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया कि, ये वास्तव में एक बहुत ताजा पिच है। यहां उजली घास तो है लेकिन साथ में बड़ी–बड़ी दरारें भी हैं। तो ये सीम करेगा लेकिन लेंथ से उछाल भी खाएगा। अब जब आपके पास इस तरह का एक ताजा ट्रैक होता है तो आप सबसे पहले कुछ गेम आजमाते हैं, जैसे आप किसी नए ऐप के साथ बीटा परीक्षण करते हैं। फिर आप इसे बाजार में उतारतें हैं। ये टी20 विकेट नहीं है और चारों ट्रैक एक जैसे दिखते हैं। सूत्र ने कहा कि, खुशी होनी चाहिए कि रोहित और ऋषभ पंत को कुछ भी गंभीर नहीं हुआ। वे ठीक हैं। इसके अलावा दरार भरी पिच के चलते आयरलैंड के हैरी टेक्टर के पहले ग्लव्स और फिर हेलमेट में जसप्रीत बुमराह की गेंद लगी।

भारत पाकिस्तान मुकाबले में कौन होगा विजेता ? शाहिद अफरीदी ने दिया गोलमोल जवाब, जानें क्या कहा

भारत की बेहतरीन जीत के बाद अब टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा 9 जून को होने वाली है। जहां रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम अपनी चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीम पाकिस्तान से टकराएगी। फिलहाल ग्रुप ए में टीम इंडिया टॉप पर काबिज है। वहीं न्यूयॉर्क में होने वाले इस मुकाबले का हर कोई इंतजार कर रहा है।हालांकि, कई बार भारत पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप में धूल चटा चुका है। वहीं पूर्व पाकिस्तान ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही क्रिकेट की सबसे कंपीटिटिव टीमें हैं जो टीम 9 जून को न्यूयॉर्क के मैदान में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी, वही जीत दर्ज करेगी। इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला पहली बार अमेरिका में होगा। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे। टी20 वर्ल्ड कप के एम्बेसडर अफरीदी ने आईसीसी से कहा कि, वे अमेरिका जाना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है। अफरीदी ने आगे कहा कि, मुझे भारत के खिलाफ खेलना पसंद था और मेरा मानना है कि ये खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय फैंस से बहुत प्यार और सम्मान मिलता है। ये दोनों टीमों के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है, इस मैच में और पूरे टूर्नामेंट में यही होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी, वह जीतेगी। फिलहाल, अमेरिका और वेस्टइंडीज टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मेजबान हैं। सुपर–8 और नॉकआउट वेस्टइंडीज में होंगे। अफरीदी ने कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में प्रबल दावेदार का चयन करना मुश्किल है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा है कि, टी20 क्रिकेट बहुत अप्रत्याशित है और टीमों की बल्लेबाजी में अब बहुत गहराई है।

आपका आठवें नंबर पर आने वाला बल्लेबाज 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर मैच जीत सकता है। मुझे उम्मीद है कि इस बार पाकिस्तान जीतेगा लेकिन प्रबल दावेदार चुनना मुश्किल है।

त्वीपर्जोंतउं ने 600 इंटरनेशनल सिक्स पूरे कर बनाया नया वर्ल्ड रिकार्ड

इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सिक्सर किंग का नया लेवल छू लिया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 600 इंटरनेशनल सिक्स कंप्लीट किए और एक रिकॉर्ड बना दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 सिक्स जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें ये आंकड़ा छूने में महज 3 सिक्स की दरकार थी। भारतीय टीम के हिटमैन के भारत और आयरलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2024 मैच में अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 37 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों के दम पर 52 रन बनाए। वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने सिक्सर किंग का नया लेवल छू लिया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 600 इंटरनेशनल सिक्स कंप्लीट किए और एक रिकॉर्ड बना दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 सिक्स जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें ये आंकड़ा छूने में महज 3 सिक्स की दरकार थी। पिछले साल रोहित वनडे वर्ल्ड कप के दौरान सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने का रिकॉर्ड बना चुके थे। वहीं उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में अपने रिकॉर्ड को और बेहतर कर लिया। रोहित के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बसे ज्यादा सिक्स लगाने का कारनामा यूनिवर्स बॉस यानी क्रिस गेल ने किया है। पूर्व वेस्टइंडी दिग्गज ने अपने करियर में 553 सिक्स उड़ाए। उनके बाद इस लिस्ट में पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी हैं। जिनके बल्ले से 476 छक्के निकले। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रैंडन मैकुलम मार्टिन गुप्टिल (383) क्रमशरू चौथे और पाचवें नंबर पर हैं। रोहित शर्मा ने इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के अलावा दो और अहम उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पहला तो वह पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में चार हजार रन का आंकड़ा छूने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ये कमाल विराट कोहली और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने किया। रोहित साथ ही टी20 वर्ल्ड कप में एक हजार रन पूरे करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

अनानास खाने के बाद कुछ लोगों के गले में क्यों होने लगती है खुजली, यह किसी बीमारी का संकेत तो नहीं ?

अनानास बहुत स्वादिष्ट और पौष्टिक से भरपूर फ्रूट्स होती है. इसका खट्टा मीठा स्वाद लोगों को काफी ज्यादा पसंद होता है. गर्मियों में लोग इसे काफी पसंद से खाते हैं. कोई इसे सलाद तो कोई इसे जूस बनाकर पीता है. अनानास खाने के फायदे तो होते हैं लेकिन कुछ लोगों के लिए यह काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकता है. वैसे आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अनानास में विटामिन सी, मैंगनीज, फाइबर, आयरन वगैरह वगैरह होते हैं लेकिन कुछ चीजों के लिए यह सही नहीं होती है.डायबिटीज मरीज को नहीं खाना चाहिए अनानासअनानास का स्वाद खट्टी–मीठा होता है. इसमें नैचुरल शुगर भरपूर मात्रा में पाया जाता है. इसमें ग्लूकोज और सुक्रोज की मात्रा काफी भरपूर होती है. अगर आप इसे ज्यादा खाते हैं तो शुगर में इसका लेवल हाई होने लगता है. अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको इसे नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे आपको कई तरह की परेशानी हो सकती है.जिनको एसिडिटी की समस्या होती है वह न खाएंअनानास एसिडिक फल होता है इसे ज्यादा खाने से मरीजों को एसिडिटी की समस्या हो सकती है. साथ ही पेट में जलन की शिकायत हो सकती है. इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होती है. इसे ज्यादा खाने से डायरिया, अपच और उल्टी की दिक्कत हो सकती है.अनानास में ब्रोनेलैन एंजाइम होता हैअनानास में ब्रोनेलैन एंजाइम होता है. इसे खाने से ब्लड सर्कुलेशन काफी ज्यादा प्रभावित हो सकता है. इसके कारण ब्लीडिंग की दिक्कत हो सकती है. अगर कोई व्यक्ति ब्लड को पतला करने वाला दवाई खा रहा है तो उन्हें अनानास नहीं खाना चाहिए. क्योंकि यह ब्लीडिंग को बढ़ा सकती है. अनानास में ब्रोनलैन एंजाइम भरपूर मात्रा में होता है इसलिए इसे खाने के कुछ लोगों के जीभ में खुजली होने लगती है. अगर आपको भी खाने के बाद खुजली या किसी भी तरह की दिक्कत शुरू होती है. तो इसे खाना छोड़ दें. अनानास एक एसिडिक फल होता है इसे अगर हद से ज्यादा खाया जाए तो मसूड़ेंऔर दांतों का इनेमल बुरी तरह से खराब हो सकता है. इसके कारण दांतों में सड़न की समस्या हो सकती है. इसके अलावा इसे खाने से एलर्जी शुरू हो सकती है. गले में खुजली, होंठ और सूजन की दिक्कत हो सकती है.

वजन कम करना है तो हर रोज 3 लीटर पानी पीना है जरूरी ? जानें दोनों के बीच क्या है खास कनेक्शन

यह हम अक्सर सुनते हैं कि शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए. इसके लिए बॉडी को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है. शरीर हाइड्रेट रहेगा तो इससे टॉक्सिंस भी बाहर निकलते हैं. लेकिन क्या यह सच है कि ढेर सारा पानी पीने से वजन कंट्रोल में रहता है. दरअसल, पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है. इससे वेट लॉस होने में मदद मिलती है. पानी पीने से कैलोरी भी तेजी से बर्न होती है. महिलाओं को एक दिन में 9–10 कप और पुरुषों को 12–13 कप पानी पीना चाहिए. वजन कम करने की सोच रहे हैं तो सही तरीके से पानी पिएं.

वजन कम करने के लिए पीते हैं पानी तो जान लें इसे पीने का सही तरीका

वजन कम करना चाहते हैं तो हमेशा खाना खाने के आधे घंटे या खाने से 2 घंटे पहले पानी पिएं. पानी पीने से पेट भरा होने का एहसास होता है. ऐसी स्थिति में आप ओवर ईटिंग से बचे रहेंगे. जब आप लिमिट में खाना खाते हैं तो वजन बढ़ने का जोखिम कम होता है. साथ ही स्नैकिंग से भी आप बचे रहते हैं.

डिटॉक्स वॉटर पिएं

डिटॉकस वॉटर फल या सब्जियों से बनाए जाते हैं अगर आपको पीना है तो ये पिए. वजन कम करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है. आप इसे सुबह–सुबह खाली पेट पिएं इससे आपको कई सारी परेशानियों से निजात मिल जाएगा. इससे शरीर को पोषक तत्व भी मिलेंगे साथ ही शरीर की गंदगी भी बाहर निकल जाएगी. बॉडी इकैलोरी इनटेक कम हो जाता है.

वाटर फास्टिंग का भी ले सकती हैं सहारा

वाटर फास्टिंग का अर्थ है कि फास्ट रखने के दौरान सिर्फ पानी पिएं. ऐसा आप सप्ताह में एक दिन के लिए कर सकते हैं. कुछ लोग ऐसा लगातार 8 दिनों तक करते हैं. हालांकि यह सेहत के लिहाज से ठीक नहीं है. ऐसा करने से थकान, चक्कर कमजोरी जैसी दिक्कत हो सकती है. वजन कम करने के लिए आप वाटर फास्टिंग का सहारा ले सकते हैं.

हारर–कामेडी मुंज्या का गाना तरस हुआ रिलीज, शरवरी वाघ ने सेक्सी ठुमको से बढ़ाया पारा

स्त्री और भेड़िया के बाद यह निर्देशक दिनेश विजान की तीसरी हॉरर–कॉमेडी फिल्म है। मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर–कॉमेडी फिल्म मुंज्या का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। ट्रेलर में मुंज्या का कहर दर्शकों को साफ दिखाई दिया, तो वहीं आज फिल्म का पहला गाना तरस रिलीज किया गया है, जिसे देखकर शायद दर्शकों का डर खुशी में बदल जाए।शरवरी वाघ को पिछली बार फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा गया था, जो 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 4 साल के लंबे अंतराल के बाद शरवरी सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म मुंज्या को लेकर चर्चा में लगातार बनी हुई हैं। आज मुज्या का पहला गाना तरस रिलीज किया जा चुका है। इस गाने में शरवरी वाघ का जबरदस्त डांस देखने को मिला। गाने में शरवरी वाघ के जबरदस्त लटके–झटके दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। इस गाने को जैस्मीन सैंडलस और सचिन जिगर ने गाया है। इस गाने के लिरिक्स को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। फिल्म मुंज्या का गाना तरस रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।मुंज्या के ट्रेलर में चेटूकवाड़ी की कहानी दिखाई गई थी, जो कि एक शापित जगह है। इस जगह पर मुंज्या की अस्थियां गढ़ी हुई हैं। दरअसल, मुंज्या किसी मुन्नी से शादी करना चाहता था, लेकिन शादी से पहले ही उसकी मौत हो जाती है। जहां यह फिल्म आपको डराएगी, तो वहीं यह फिल्म आपको हंसाने का काम भी करेगी, क्योंकि फिल्म में हॉरर के साथ कॉमेडी का जबरदस्त तड़का आपको दिखने को मिलेगा। मुंज्या सिर्फ सनसेट के बाद आता है और वह अपनी आखिरी इच्छा यानी कि मुन्नी से शादी करना चाहता है। मुंज्या में अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे,

जिनकी झलक ट्रेलर में साफ दिखाई दी थी। फिल्म के ट्रेलर के साथ मेकर्स ने लिखा था, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता है। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी है। यह फिल्म 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वेब सीरीज गुल्लक सीजन 4 का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज, फिर गुदगुदाने आ रहा है मिश्रा परिवार

द वायरल फीवर की वेब सीरीज गुल्लक लोगों को खूब पसंद है। इसके अभी तक तीन सीजन आ चुके हैं और जो लोग चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, निर्माताओं ने गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है।सोनी लिव ने गुल्लक के नए सीजन के ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसे लॉन्च करते हुए उन्होंने लिखा, लेकर जिंदगी की खनक, आ रही है नए किस्सों की गुल्लक! इसके साथ–साथ फैंस को यह भी बताया गया कि सीरीज की स्ट्रीमिंग 7 जून से सोनी लिव पर होगी।गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लोगों को पसंद आ रहा है। दर्शकों इसे देखने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पिछले तीनों सीजन की ही तरह इस बार भी कुछ मनोरंजक देखने को मिलेगा। यह एक पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जिसने अभी तक दर्शकों को गुदगुदाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यही वजह है कि सीरीज में मिश्रा परिवार के घर के नए किस्सों को देखने के लिए लोगों का उत्साह सातवें आसमान पर है।गुल्लक का निर्देशन श्रेयांश पांडे ने किया है। इसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर ने अभिनय किया है। मालूम हो कि द वायरल फीवर की एक

और चर्चित वेब सीरीज पंचायत का भी तीसरा सीजन जल्द आने वाला है। इसका ट्रेलर भी लॉन्च हो चुका है।

बाक्स आफिस पर फिल्म सवी ए ब्लडी हाउसवाइफ की हालत पस्त, लाखों में सिमटी दैनिक कमाई

दिव्या खोसला कुमार, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ को बीते शुक्रवार यानी 31 मई को रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है।सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी और अब इसकी दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं फिल्म ने चौथे दिन कितने लाख रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 51 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.81 करोड़ रुपये हो गया है।सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ ने 1.60 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की दैनिक कमाई में इजाफा हुआ। दूसरे दिन इसने 1.80 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 1.90 करोड़ रुपये कमाए थे।

सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ के निर्देशन की कमान अभिनय देव ने संभाली है। मुकेश भट्ट इस फिल्म के निर्माता हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेटफ्लिक्स ने सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ के ओटीटी राइट्स खरीद लिए हैं।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद इस फिल्म का प्रीमियर जुलाई के मध्य तक नेटफ्लिक्स पर हो सकता है। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।दिव्या जल्द फिल्म हीरो हीरोइन में नजर आएंगी। यह तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज होगी।

बाक्स आफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में गिरावट, चौथे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आ रही है। फिल्म रूही के बाद यह दोनों के बीच दूसरा सहयोग है।मिस्टर एंड मिसेज माही में अपने शानदार अभिनय से जाह्नवी और राजकुमार ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार कर रही है। हालांकि, चौथे दिन फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की गई है। अब मिस्टर एंड मिसेज माही के चौथे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इस फिल्म ने सोमवार को 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 19 करोड़ रुपये हो गया है।मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.60 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाए।मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार और जाह्नवी के अलावा कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, जरीना वहाब और राजेश शर्मा जैसे शानदार कलाकारों ने काम किया है।करण जौहर ने हीरू यश जौहर और अपूर्व मेहता के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मिस्टर एंड मिसेज माही सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।इस फिल्म का प्रीमियर जुलाई के अंत तक किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

मालविका मोहनन की लेटेस्ट तस्वीरों ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान, हाट लुक देख फैंस हुए मदहोश

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट सैटिन आउटफिट में बेहद ही सेक्सी फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड फैशन सेंस के चलते अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक्स देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।उनकी वॉर्डरोब चॉइस हो, ग्लैमरस मेकअप या फिर पर्सनल स्टाइल फैंस उनकी सोशल प्रजेंस देख कर पूरी तरह से आकर्षित हो जाते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने ब्लू कलर की सैटिन कलर का वन साइड शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर, कानों में इयररिंग्स पहन कर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं। मालविका मोहनन सामने आए इस फोटोशूट में अप्सरा की तरह नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

काजल अग्रवाल की सत्यभामा 7 जून को होगी रिलीज

जनता की रानी काजल अग्रवाल, फिल्म सत्यभामा की मुख्य भूमिका में, 7 जून को दुनिया भर में एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार हो रही है। काजल एक शक्तिशाली पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, और यह फिल्म सभी वर्गों की रुचि को आकर्षित कर रही है। दर्शकों, विशेषकर महिला दर्शकों के बीच। प्रमोशन के दौरान काजल के शब्द इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे महिलाओं को देखना चाहिए। महिला दर्शक सत्यभामा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।नवीन चंद्रा ने सत्यभामा में अमरेंदर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्माण ऑरम आर्ट्स के बैनर तले बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपल्ली ने किया है। मेजर फिल्म निर्देशक शशिकिरण टिक्का ने प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया और पटकथा प्रदान की। इस क्राइम थ्रिलर का निर्देशन सुमन चिक्काला ने किया है। सत्यभामा के अब तक जारी किए गए टीजर और गीतात्मक गीतों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

तेरा इश्क मेरा फितूर में बोल्ड सीन करने में नहीं हुई कोई परेशानी – शिवांगी वर्मा

टीवी सीरियल छोटी सरदारनी से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा इन दिनों अपने अपकमिंग शो तेरा इश्क मेरा फितूर को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसमें उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए हैं। अपने इस सीन को लेकर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि उनके लिए बोल्ड सीन करना काफी आसान था। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से किया।शिवांगी ने बताया कि बोल्ड सीन करना काफी हद तक को–एक्टर पर निर्भर करता है और जहां तक कंफर्ट का सवाल है, उन्हें इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।उन्होंने कहा, मैं बोल्ड सीन के दौरान बहुत कंफर्टेबल थी, क्योंकि यह पूरी तरह से आपके को–एक्टर पर निर्भर करता है। सेहबान अजीम के साथ काम करना वाकई शानदार है। उन्होंने मुझे कंफर्टेबल महसूस कराया। इस दौरान डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और बाकी सभी लोग सेट पर मौजूद थे, जिन्होंने हम दोनों को कंफर्ट महसूस कराने के लिए एक तरह का माहौल बनाया, इसलिए यह जबरदस्ती जैसा नहीं था, बल्कि यह स्टोरी का हिस्सा था, और हमने इसे बेहद खूबसूरती से पूरा किया। और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा।

शो की लव स्टोरी के बारे में बताते हुए शिवांगी ने कहा, यह एक इंटेंस लव स्टोरी है। यह पूरी तरह से प्यार के बारे में है। दरअसल, यह म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिससे दर्शक आसानी से जुड़ सकेंगे। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि शूटिंग बेहद मजेदार रही।शिवांगी ने कहा, कलाकारों से मिलना वाकई दिलचस्प था। उनके साथ कहानी को शूट करना मजेदार था और हमने पूरी शूटिंग बाहर ही की। हमने बहुत अच्छा समय बिताया, हमने खूब मौज–मस्ती की। हम शूटिंग करते थे, और फिर हम साथ में मौज–मस्ती करते थे। मुझे लगता है कि ये सब मेरे लिए वाकई यादगार था। तेरा इश्क मेरा फितूर 7 जून को अतरंगी पर प्रसारित होगा।

काजल अग्रवाल की सत्यभामा 7 जून को होगी रिलीज

जनता की रानी काजल अग्रवाल, फिल्म सत्यभामा की मुख्य भूमिका में, 7 जून को दुनिया भर में एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार हो रही है। काजल एक शक्तिशाली पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, और यह फिल्म सभी वर्गों की रुचि को आकर्षित कर रही है। दर्शकों, विशेषकर महिला दर्शकों के बीच। प्रमोशन के दौरान काजल के शब्द इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे महिलाओं को देखना चाहिए। महिला दर्शक सत्यभामा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

नवीन चंद्रा ने सत्यभामा में अमरेंदर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्माण ऑरम आर्ट्स के बैनर तले बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपल्ली ने किया है। मेजर फिल्म निर्देशक शशिकिरण टिक्का ने प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया और पटकथा प्रदान की। इस क्राइम थ्रिलर का निर्देशन सुमन चिक्काला ने किया है।

सत्यभामा के अब तक जारी किए गए टीजर और गीतात्मक गीतों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म का ट्रेलर कल नतासिम्हम नंदमुरी बालकृ

बाक्स आफिस पर राजकुमार राव की श्रीकांत ने 25वें दिन किया अपना सबसे कम कारोबार

तुषार हीरानंदानी के निर्देशन में बनी फिल्म श्रीकांत को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना पूरा होने जा रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनाए हुए है।यह फिल्म पिछले महीने 10 मई को पर्दे पर आई थी और दर्शकों ने इसे खूब प्यार दिया।पिछले कुछ दिनों से श्रीकांत की कमाई में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वीकेंड पर ठीक–ठाक कमाई करने के बाद अब इस फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है।अब श्रीकांत के 25वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने चौथे सोमवार 40 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 44.65 करोड़ रुपये हो गया है।श्रीकांत मे अभिनेता राजकुमार राव है, जिन्होंने फिल्म में दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है।अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। श्रीकांत आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में रहने वाले जन्म से दृष्टिबाधित बोला (राजकुमार) की कहानी कहती है।एक ऐसा लड़का, जो आंखें ना होते हुए भी पिता की आंखों का तारा होता है। आंखों की रोशनी ना होने के बावजूद बोला के सपने बड़े थे, जिनमें से एक भारत का पहला दृष्टिबाधित राष्ट्रपति बनना था

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 07 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

संरक्षा जागरूकता के लिए मोबाइल वीडियो वैन को महाप्रबंधक ने किया रवाना

प्रयागराज(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय रेल सप्ताह जागरूकता दिवस के मौके पर महाप्रबंधक उमरे रविन्द्र गोयल ने प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी व अन्य विभागाध्यक्षों के साथ सप्ताहों के बारे में संरक्षा जागरूकता प्रसारित करने के लिए मोबाइल वीडियो वैन को हरी झंडी दिखाकर मुख्यालय से रवाना किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि मोबाइल वीडियो वैन के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं को लेवल क्रॉसिंगों की महत्ता एवं सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूक किया जायेगा। कहा कि बंद रेल फाटकों को पार करते समय सभी को सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि एक छोटी सी चूक कभी–कभी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अगले 45 दिनों के दौरान यह मोबाइल वैन सड़क उपयोगकर्ताओं को सप्ताह संबंधी सुरक्षा सावधानियों के बारे में शिक्षित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों में विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों को कवर करेगी। टीवी और ऑडियो विजुअल सिस्टम वाली यह मोबाइल वैन स्कूलों, लेवल क्रॉसिंगों, गांवों, पंचायतों, तहसीलों, आसपास के बाजारों आदि को कवर करेगी। वैन में जागरूकता प्रसारण के लिए कई लघु फिल्में बनाई गई हैं जिनमें श्लेवल क्रॉसिंगों को सावधानी से कैसे पास करेंश् श्ट्रैक पर मवेशियों को ना ले जानेश, श्ट्रेन की छत और फुट बोर्ड पर यात्रा ना करें, श्यात्रा के दौरान कभी भी अजनबी से खाने–पीने की चीजें स्वीकार नहीं करनाश, श्ट्रेन में ज्वलनशील सामग्री नहीं ले जानाश् आदि जैसे विषयों को शामिल किया गया है। वैन की पूरी यात्रा के दौरान उत्तर मध्य रेलवे के सेफ्टी काउंसलर साथ रहेंगे। विषय की बेहतर समझ प्रसारित करने के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच पैम्फलेट पोस्टर और स्टिकर वितरित करेंगे। उत्तर मध्य रेलवे के अधिकारी एवं संरक्षा कर्मी स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम पंचायतों का भी दौरा कर रहे हैं। सोशल मीडिया जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, एसएमएस, रेडियो, टेलीविजन आदि के माध्यम से भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा रेल कर्मियों में संरक्षा की आदत डालने के लिए पूरे जोन के स्टेशनों, प्रशिक्षण केंद्रों पर संरक्षा सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं।

सुहागिनों ने की वट सावित्री की पूजा

पति की दीर्घायु की कामना के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

प्रयागराज(आरएनएस)। वट सावित्री का व्रत प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन मनाया जाता है। इस पूजा के दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती है। महिलाएं वट वृक्ष के नीचे बैठकर पूजा करती है। ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत रखने की परम्परा है।गुरुवार को वट सावित्री व्रत के दिन सुहागिनों ने गंगा स्नान किया। इसके बाद वट वृक्ष की पूजा की। पति की लंबी उम्र के लिए वट वृक्ष के कच्चे सूत के धागों से फेरे भी लिए। मान्यताओं के अनुसार यह वट सावित्री का व्रत करवा चौथ की तरह ही है। इस व्रत बड़ा कुछ सुहागिनों निर्जला उपवास रखती है और शाम को जल से व्रत का पारण करती है। वट सावित्री व्रत के दिन अगर शुभ मुहूर्त पर वट वृक्ष की पूजा करती है तो वैवाहिक जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास बना रहता है। इस व्रत की पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से पति की आयु लम्बी होने के साथ जीवन रोगमुक्त हो जाता है। साथ ही जीवन में सुख–समृद्धि बनी रहती है। वट सावित्री व्रत पर सुहागिनें अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखकर वट वृक्ष करती है और की कथा का श्रवण भी करती है।

भगवान जगन्नाथ की कृपा से मोदी सरकार की विजय रथ को मिली गति– भाजपा

उड़ीसा में भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपाइयों ने भगवान जगन्नाथ जी की किया पूजा अर्चन और आरती

प्रयागराज(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी मुट्ठीगंज मंडल के कार्यकर्ताओं के द्वारा भगवान जगन्नाथ धाम प्रयागेश्वर मंदिर काशीराज में भगवान जगन्नाथ जी के धाम उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा एवं विधानसभा में प्रचंड जीत को लेकर भाजपाइयों ने भगवान जगन्नाथ जी की पूजा–अर्चन और आरती की। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि भगवान जगन्नाथ जी की कृपा से उड़ीसा प्रांत में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ पहली बार सरकार बनाने जा रही है। लोकसभा के चुनाव में उड़ीसा के 21 सीटों में भगवान जगन्नाथ जी की कृपा से और उड़ीसा की जनता जनार्दन के आशीर्वाद से 20 सीट प्राप्त हुए जिसके कारण मोदी सरकार के विजयरथ को विकसित भारत के निर्माण के लिए गति प्राप्त हुई है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल एवं भाजपा नेता विजय वैश्य ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है भारतीय जनता पार्टी की नवनिर्वाचित उड़ीसा की सरकार और केंद्र की तीसरी बार बनने वाली मोदी सरकार उड़ीसा को समृद्धशाली बनाएगी और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प पूरा करेगी। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उड़ीसा की जीत पर और केंद्र में बनने जा रही तीसरी बार मोदी सरकार को लेकर एक दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी। बधाई देने वालों में जिला उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल,भाजपा नेता पूर्व पार्षद विजय वैश्य, किशन चंद्र जायसवाल, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल, नीरज केसरवानी, राजेश शर्मा, मधुर माथुर, मुकेश जायसवाल, पद्माकर श्रीवास्तव, एवं अन्य कार्यकर्ता रहे।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने जड़ा थप्पड़

भाकियू कार्यकर्ताओं ने थाने का किया घेराव

प्रयागराज(आरएनएस)। शहर के करेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बख्शी मोढ़ा पुल के पास बुधवार रात उस दौरान हंगामा मच गया, जब चेकिंग के दौरान पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता को थप्पड़ जड़ दिया। दोनों करेंहदा से करेली ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे। मामला इस कदर बिगड़ा कि गुस्साए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने करेली थाने का घेराव कर दिया। देर रात तक थाने में हंगामा चलता रहा। भारतीय किसान यूनियन युवा महासचिव शुभम तिवारी ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ता आशीष और सनी निषाद बुधवार रात ट्रैक्टर लेकर करेंहदा से करेली जा रहे थे। देर रात बक्शी मोढ़ा पुल के पास पहुंचने पर सदी वर्दी में पांच से छह पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और गाड़ी के कागजात दिखाने को लेकर दोनों को थप्पड़ मार दिया। विरोध करने पर पुलिस दोनों को करेली थाने उठा ले गई। शुभम का आरोप है कि मामले की जानकारी मिलते ही जब वह थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उनके साथ भी हाथापाई कर अभद्र व्यवहार किया। पार्टी को भला बुरा कहा। वहीं, दूसरी तरफ हंगामा को बढ़ता देख सादी वर्दी वाले पुलिसकर्मी थाने से नौ दो ग्यारह हो गए। इस संबंध में करेली थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि ट्रैक्टर चला रहा चालक नाबालिग था। जिस कारण पुलिस कर्मियों ने दस्तावेजों के जांच के लिए ट्रैक्टर को रोका था। मामले की छानबीन की जा रही है, जांच पूरी होने– के बाद बनती कार्रवाई की जाएगी।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने जड़ा थप्पड़ भाकियू कार्यकर्ताओं ने थाने का किया घेराव

प्रयागराज(आरएनएस)। शहर के करेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बख्शी मोढ़ा पुल के पास बुधवार रात उस दौरान हंगामा मच गया, जब चेकिंग के दौरान पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता को थप्पड़ जड़ दिया। दोनों करेंहदा से करेली ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे। मामला इस कदर बिगड़ा कि गुस्साए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने करेली थाने का घेराव कर दिया। देर रात तक थाने में हंगामा चलता रहा। भारतीय किसान यूनियन युवा महासचिव शुभम तिवारी ने बताया कि पार्टी के कार्यकर्ता आशीष और सनी निषाद बुधवार रात ट्रैक्टर लेकर करेंहदा से करेली जा रहे थे। देर रात बक्शी मोढ़ा पुल के पास पहुंचने पर सदी वर्दी में पांच से छह पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और गाड़ी के कागजात दिखाने को लेकर दोनों को थप्पड़ मार दिया। विरोध करने पर पुलिस दोनों को करेली थाने उठा ले गई। शुभम का आरोप है कि मामले की जानकारी मिलते ही जब वह थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उनके साथ भी हाथापाई कर अभद्र व्यवहार किया। पार्टी को भला बुरा कहा। वहीं, दूसरी तरफ हंगामा को बढ़ता देख सादी वर्दी वाले पुलिसकर्मी थाने से नौ दो ग्यारह हो गए। इस संबंध में करेली थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि ट्रैक्टर चला रहा चालक नाबालिग था। जिस कारण पुलिस कर्मियों ने दस्तावेजों के जांच के लिए ट्रैक्टर को रोका था। मामले की छानबीन की जा रही है, जांच पूरी होने– के बाद बनती कार्रवाई की जाएगी।

रामघाट में उमड़े श्रद्धालु व भजन कीर्तन गाते परिक्रमा करते आस्थावान।

चित्रकूट(आरएनएस)। ज्येष्ठ मास की अमावस्या में तेज धूप होने के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था नहीं डिगी। मंदाकिनी नदी में स्नान कर भगवान कामदनाथ के दर्शन कर दोपहर को उत्साहपूर्वक व भजन कीर्तन गाते परिक्रमा लगाई। गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन की तरफ से पानी की कई स्थानों पर टंकियां रखी गईं। घड़ों में भी पानी रखा गया। जिससे श्रद्धालुओ ने अपना गला तर किया। समाजसेवियों ने शर्बत का वितरण भी किया।अमावस्या में सुबह श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया। मत्यगयेन्द्रनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की। कामतानाथ में मत्था टेक कामदगिरि की परिक्रमा लगाई। इसके अलावा धर्मनगरी क्षेत्र के जानकीकुंड, गुप्त गोदावारी, भरतकूप सहित अन्य तीर्थ स्थानों के दर्शन किए। यात्रियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन की तरह से यूपी–एपमी क्षेत्र में कई स्थानों पर पानी की टंकी व घंड़ों में पानी उपलब्ध कराया गया। मेला क्षेत्र का डीएम अभिषेक आनंद व एसपी अरुण कुमार सिंह ने निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। इसी के साथ ही एलआईयू टीम भी लगी रही। कई श्रद्धालुओं के मोबाइल भी चोर उच्चके ले गए। वहीं उड़ीसा की श्रद्धालु स्वप्रा निशा दास का मोबाइल कहीं गुम हो गया। जिस पर थाना प्रभारी मझगवां आशीष धुर्वे ने मोबाइल की खोज कराकर श्रद्धालु को दिया। बरहा के हनुमान जी के पास संत विपिन विराट ने श्रद्धालुओं को शर्बत का वितरण किया। अन्य समाज सेवियों ने भी शर्बत पिलाया।

ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार सतर्क

प्रयागराज में ग्रामीण क्षेत्रों के 23 विकास खंडों में तैनात किए अग्नि सुरक्षा मित्र

प्रयागराज(आरएनएस)। गर्मी के दिनों में आमतौर पर आग लगने की घटनाएं सर्वाधिक होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक ये घटनाएं होती हैं जिसमें किसान की फसल से लेकर आम आदमी की आवासीय बस्ती प्रभावित होती है। योगी सरकार के निर्देश पर इसे कम करने कर लिए प्रयागराज में अग्नि सुरक्षा मित्र की तैनाती की गई है। ये अग्नि सुरक्षा मित्र ग्रामीण इलाकों में आग से बचावों के उपायों से लोगों को जागरूक करने से लेकर अग्निशमन विभाग और जनता के बीच एक सेतु का कार्य कर रहे हैं।अग्निशमन विभाग ने प्रयागराज जिले 23 विकास खंडों में अग्नि सुरक्षा मित्र तैनात किए हैं। प्रयागराज के जिला अग्निशमन अधिकारी आर के पांडेय बताते हैं कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र के सभी 23 विकास खंड में अग्नि सुरक्षा मित्र बनाए गए हैं। हर विकास खंड में सौ अग्नि सुरक्षा मित्र बनाए गए हैं जो अब ग्रामीण क्षेत्रों में आग की घटनाओं को नियंत्रित करने में अग्निशमन विभाग की मदद कर रहे हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक ब्लॉक में 100 अग्नि सुरक्षा मित्रों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जो अग्निशमन विभाग के नियमित संपर्क में रहते हैं और आग लगने की स्थिति में उन्हें सटीक स्थान पर पहुंचने में मदद करते हैं। इन अग्नि सुरक्षा मित्रों को आग लगने की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया करनी है, इस बारे में तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्हें आग पर काबू पाने और अग्निशमन दल के मौके पर पहुंचने तक बचाव अभियान शुरू करने का प्रशिक्षण दिया गया है।योगी सरकार की पहल पर बनाए गए इन अग्नि सुरक्षा मित्रों की तैनाती के बाद जनपद में धीरे धीरे अग्निकांडों की संख्या में कमी आई है। सीएफओ प्रयागराज आर के पांडेय बताते हैं कि इस साल जनवरी से अब तक कुल 1130 अग्निकांड दर्ज हुए हैं जिसमे सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े हैं। जिले में अप्रैल के महीने में 531अग्निकांड हुए जबकि अग्नि सुरक्षा मित्र का मई में गठन किए जाने के बाद अगले महीने की इनकी संख्या घटकर 376 हो गई है। उनका कहना है कि अग्निशमन अधिकारियों को जिले के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में आग के हॉटस्पॉट और संवेदनशील स्थानों और इमारतों की पहचान करने के लिए भी कहा गया। विभाग ने 10 टीमें भी बनाई हैं जो इमारतों, मॉल, गेस्ट हाउस, अस्पतालों आदि का अग्नि सुरक्षाऑडिट कर रही हैं। अगर इमारतों में अग्नि सुरक्षा उपायों की कमी पाई जाती है तो मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं।अधिकारी स्कूलों, व्यावसायिक इमारतों और अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं और कर्मचारियों को किसी भी आपात स्थिति में प्रतिक्रिया करने और अग्नि सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने के तरीके के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।घरेलू महिलाओं के लिए अलग से चलाया जा रहा है अभियान

प्रयागराज(आरएनएस)। खेतों और खलिहानों के अलग आवासीय इलाकों में लगने वाली आग की वजह एलपीजी सिलेंडर के इस्तेमाल में बरती गई लापरवाही है। अग्निशमन विभाग की तरफ से अब घर – घर जाकर महिलाओं को इसके लिए जागरूक किया जा रहा है इसके लिए

सबसे पहले शहर के उन इलाकों को चुना गया है जहां घनी आवासीय बस्तियां हैं क्योंकि इन इलाकों में आग लगने की घटनाएं अधिक होती हैं। शहर के बाद छोटे कस्बों में भी यह अभियान चलाया जाएगा।

महिला संगठन की पदाधिकारियों ने किया पौधारोपण

प्रयागराज(आरएनएस)। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में उमरे महिला कल्याण संगठन मुख्यालय प्रयागराज, की ओर से अध्यक्षा शिखा गोयल द्वारा अन्य पदाधिकारियों के साथ रेलगांव कालोनी सूबेदारगंज के पार्क में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान अध्यक्षा ने संबंधित स्टाफ को निर्देशित किया कि किये गये वृक्षारोपण का देखभाल अवश्य करें। कार्यक्रम में सचिव ऋचा वर्मा, सुप्रिया सिन्हा, माधुरी सिंह, राखी जैन, चारू गुप्ता, रेणु, अलका गर्ग, रजनी चन्द्रायन, संगीता द्विवेदी, नीलिमा सिंह आदि पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

गाड़ियों के लिए उपलब्ध कराईं प्राथमिक चिकित्सा किटें

प्रयागराज(आरएनएस)। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिमांशु शुक्ला के निर्देशानुसार प्रयागराज मंडल के अंतर्गत चलने वाली सभी गाड़ियों में यात्रियों को स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओं के त्वरित प्राथमिक उपचार हेतु गाड़ियों में कार्यरत कंडेक्टरों के लिए कुल 342 प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराई गई, ताकि यात्रा के दौरान यात्रियों को आवश्यकता पड़ने पर उन्हें प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जा सकेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हिमांशु शुक्ला ने कहा कि गाड़ियों में यात्रा के दौरान यात्रियों का स्वास्थ्य अचानक खराब होने पर मुख्य टिकट निरीक्षक द्वारा प्राथमिक उपचार किट से तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा और गाड़ी अगले स्टेशन पर पहुंचने पर रेलवे डॉक्टर से उपचार मिल सकेगा। प्रयागराज मंडल में संचालित होने वाली गाड़ियों के लिए प्रयागराज जंक्शन पर 102, प्रयागराज छिवकी पर 65, कानपुर सेन्ट्रल पर 100 तथा टूंडला जंक्शन पर 75 प्राथमिक उपचार किटें उपलब्ध करा दी गयी हैं। प्राथमिक उपचार किट में बुखार, पेट दर्द, गैस, उल्टी, दस्त आदि से सम्बंधित दवाएं शामिल हैं।

717 यात्रियों को प्रभारित कर वसूला 4,62,540 रुपये जुर्माना

प्रयागराज(आरएनएस)। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में सहायक वाणिज्य प्रबन्धक संजय गौतम और मण्डल टिकट निरीक्षक रेड दिवाकर शुक्ला ने वाणिज्य विभाग की टीम एवं रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस के साथ प्रयागराज जंक्शन और यहां से गुजरने वाली 15 गाड़ियों की चेकिंग की गई। इस दौरान 39 वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों ने 13 सुरक्षा बल कर्मचारियों के साथ मिलकर जांच की, जिसके तहत कुल 717 यात्रियों को प्रभारित कर 4,62,540 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। इनमें से 268 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा में 2,42,530 रूपए, 443 यात्रियों को अनियमित यात्रा में 2,19,410 रूपए, गंदगी फैलाने वाले एक यात्रियों को प्रभारित कर 500 रूपए एवं धूम्रपान करने वाले एक यात्रियों को प्रभारित कर 100 जुर्माना वसूला।

सेंट्रल एकेडमी विकास नगर के छात्र आर्यन यादव ने सीट यूजी में अपनी चमक बिखेरी

प्रयागराज(आरएनएस)। सेंट्रल एकेडमी विकास नगर 2022 – 23 बैच के छात्र आर्यन यादव ने नीट – यूजी 2024 में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करके सफलता का इतिहास रच दिया।

आर्यन यादव सेंट्रल एकेडमी, विकास नगर शाखा में कक्षा 8 से अध्ययनरत एक मेधावी छात्र था। उसने कक्षा 10 में 99: अंक प्राप्त करके जिले में तृतीय स्थान हासिल किया तथा कक्षा 12 में विज्ञान वर्ग में 95: अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। आर्यन यादव न केवल शिक्षा में बल्कि हमेशा पाठ्येतर गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेता रहे है।

जानसनगंज में मंझनपुर के व्यापार के साथ हुई लूट

प्रयागराज(आरएनएस)। शाहगंज इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में खरीदारी करने मंझनपुर से आए व्यापारी राजीव कुमार जगदंबा इलेक्ट्रिकल के साथ जॉनसन गंज में कल रात ध्50000 की लूट हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंझनपुर के व्यापारी राजीव कुमार केसरवानी शाहगंज इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में वर्षों से खरीदारी करते आए हैं। अपनी कार जॉनसन गंज आशा कंपनी के समीप निर्मल एंड कंपनी के सामने खड़ी कर शाहगंज इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में खरीदारी किया। वापस लौटते समय अपनी कार में बैठ गए तभी एक उचक्का आया और बोला आपके कुछ रुपए गिर गए हैं व्यापारी नें तुरंत ही उस समय कार की चाबी और मोबाइल निकाला था,सोचा हो सकता हूं रुपए गिर गए हो।20–20 के कुछ नोट बिखरे हुए थे। उन्हें उठाने लगे इतनी देर में उच्चका दूसरी तरफ से कार का दरवाजा खोलकर बैग लेकर बाइक से चंपत हो गया बैग में ध्50000 व अन्य जरूरी कागजात थे।व्यापारी स्तब्ध भौचक्क ही खड़ा रह गया। पास ही गौरी शंकर समाज सेवी भी खड़े थे शाहगंज से जुड़े व्यापारी का मामला जानकर उन्होंने फौरन ही घटना शाहगंज सर्व व्यापार मंडल, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल को बताया जिस पर संज्ञान लेते हुए अध्यक्ष ने कोतवाली इंस्पेक्टर राजीव कुमार गया है। व्यापारी ने बताया लगभग डेढ़ दो माह पूर्व भी मंझनपुर की एक व्यापारी का डेढ़ लाख रुपए इसी तर्ज पर जानसेंनगन्ज में लूट लिया गया था।

कांग्रेस नेता के भतीजे का दुखद निधन

प्रयागराज(आरएनएस)। वरिष्ठ नेता और कांग्रेस राज्य कार्य समिति के सदस्य फुजैल हाशमी के भतीजे मुस्तफा हाशमी का गुरूवार सुबह तड़के अमेरिका के न्यूजर्सी शहर में हृदयाघात से दुखद निधन हो गया। 33 वर्षीय मुस्तफा अविवाहित थे, उनके पिता अनु सईद हाशमी तथा परिवार के अन्य सदस्य जब तक कुछ समझ पाते उनकी सांसे थम चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच कर मौत की पुष्टि की। मुस्तफा मल्टी नेशनल कंपनी में बड़े ओहदे पर कार्यरत थे। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल शास्त्री, प्रदेश महासचिव मुकुदं तिवारी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादव, किशोर वार्ष्णेय, हरिकेश त्रिपाठी, तलत अजीम, परवेज सिद्दीकी, अरशद अली, गौरव पांडेय, हसीब अहमद आदि ने शोक व्यक्त किया है।

भाजपा के खिलाफ कांग्रेस नेताओं ने लगाया विवादित पोस्टर

प्रयागराज(आरएनएस)। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला और अब्दुल कलाम की ओर से भाजपा के खिलाफ शहर में लगाया गया पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए शहर में पोस्टर चस्पा किया है जिसमें एनडीए एलायंस में शामिल दलों को चेताया गया है। पोस्टर में लिखा गया है कि सावधानी हटी दुर्घटना घटी। होशियार रहिए, इन पार्टियों को खा गई भाजपा। आगे इंतजार करिए। कांग्रेस नेता इरशाद उल्लाह और अब्दुल कलाम की ओर से शहर के चौक इलाके में भाजपा के खिलाफ एक विवादित पोस्टर लगाया गया है। एनडीए गठबंधन में शामिल दलों को भाजपा से आगाह करते हुए सावधान रहने की बात लिखी गई है। पोस्टर में सबसे ऊपर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का फोटो लगा है।

रामा कान्टिनेंटल ने जीता उद्घाटन मुकाबला

प्रयागराज(आरएनएस)। होटल रामा कॉन्टिनेंटल ने भानु प्रताप सिंह क्लब को पांच विकेट से हराकर 16वीं न्याज हसन टी–20 कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया।

खेलगांव पब्लिक स्कूल मैदान पर गुरुवार से शुरू हुई प्रतियोगिता के पहले मैच में टॉस हारकर भानु प्रताप सिंह क्लब ने 18 ओवर में 87 रन (शुभम गुप्ता 22, करम पाल 14, अभिषेक पाण्डेय 3ध्08, प्रथम मिश्र 2ध्14, राहुल राजपाल 1ध्03) बनाये। जवाब में होटल रामा कॉन्टिनेंटल ने 13.5 ओवर में 5 विकेट पर 90 रन (राहुल राजपाल 29, युवराज सिंह 2ध्12) बना लिए। मैच में ताहिर अब्बास व शिशिर मेहरोत्रा ने अंपायरिंग और खुर्शीद अहमद राईन ने स्कोरिंग की।

इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहम्मद तारिफ और विशिष्ट अतिथि खेलगांव पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. यूके मिश्र ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। डॉ. मिश्र ने मुख्य अतिथि को इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बुके भी भेंट किया। इस मौके पर खेलगांव पब्लिक स्कूल के स्पोर्ट्स कोआर्डिनेटर मनीष सिंह, सोमेश्वर पाण्डेय, विवेक सिंह, उदय प्रताप सिंह, धीरज अवस्थी आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।